RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:296 ता. 17 मई 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में एलओसी पर गुरुवार को सेना के जवानों ने दो आतंकवादियों को मारकर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों पर सेना के जवानों ने गोलीबारी की। इस गोलीबारी में भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादी मारे गये। हालांकि सेना का यह ऑपरेशन अभी जारी है और अभी इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी है। अधिकारियों के मुताबिक मारे गये आतंकवादियों के शव एलओसी पर बाड़ के उस पार पड़े हुए हैं। कुपवाड़ा जिला बारामूला लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां इन दिनों लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। सेना सतर्कता बरत रही है कि मतदान के दौरान कोई भी अप्रिय घटना न हो।

आईसीजी ने महाराष्ट्र तट पर नौका को पकड़ा; 27 लाख का 5 टन डीजल जब्त

नई दिल्ली । भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने 16 मई, 2024 को महाराष्ट्र के तट पर डीजल की तस्करी में लगे पांच सदस्यीय मछली पकड़ने वाले जहाज जय मल्हार को पकड़ा है। इस पर मछली के बाड़े में पांच टन बेहिसाब डीजल छिपा हुआ था, जिसकी कीमत लगभग 27 लाख रुपये है। इसके साथ ही, तलाशी के दौरान थोड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया गया। पकड़े गए जहाज को पुलिस, सीमा शुल्क और मत्स्य पालन विभाग द्वारा गहन पूछताछ के लिए मुंबई बंदरगाह पर लाया गया। आगे की जांच से पता चला कि चालक दल पहले ही समुद्र में मछुआरों को 5,000 लीटर ईंधन बेच चुका था। यह सफल अभियान आईसीजी द्वारा समुद्र में डीजल तस्करी पर एक और महत्वपूर्ण कार्रवाई का प्रतीक है, जिसमें सिर्फ पिछले तीन दिनों में ही कुल 55,000 लीटर बेहिसाब डीजल जब्त किया गया है। आईसीजी ने समुद्री क्षेत्र में अवैध गतिविधियों से निपटने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई, देश के समुद्री हितों की सुरक्षा और तटीय सीमाओं को सुरक्षित करने में त्वरित और समन्वित कार्रवाइयों के महत्व पर जोर दिया।

ऑल टाइम हाई पर पहुंची चांदी

नई दिल्ली। सोना और चांदी मे गुरूवार को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, कारोबार के दौरान 10 ग्राम सोना 541 रुपए महंगा होकर 73,475 रुपए का हो गया। चांदी ने अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया है। ये 1,195 रुपए महंगी होकर 85,700 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई। वहीं सोने का ऑल टाइम हाई 73,596 रुपए का है जो उसने बीते महीने 19 अप्रैल को बनाया था।

मणिपुर में 6 दिन में 13 लोगों का किडनैप

इनमें 4 पुलिस और एक सीआरपीएफ का जवान

नई दिल्ली । मणिपुर सुरक्षा अधिकारियों ने बताया है कि राज्य में 8 से 13 मई के बीच करीब 13 लोगों को किडनैप किया गया है। इनमें 4 पुलिसकर्मी और एक सीआरपीएफ का जवान भी शामिल है। बाकी स्थानीय लोग हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि अगवा किए गए लोगों की वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि ज्यादातर परिवार गायब हुए लोगों की पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराते हैं। मणिपुर पुलिस ने किडनैपिंग की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें मैतेई मिलिशिया ग्रुप अरामबाई तेंगगोल के दो मेंबर भी हैं। जिन पर पूर्वी इंफाल के कांगपोकपी जिले से चार पुलिसकर्मियों को अगवा करने के आरोप हैं। एक सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक अगवा किए गए चारों पुलिसकर्मी न तो मैतेई थे न ही कुकी। ये चारों लोग कुकी साथी पुलिसकर्मी के घर से कुछ सामान इकट्ठा करने गए थे। सुरक्षा अधिकारी ने बताया इस घर को कुकी पुलिसकर्मी पिछले साल दंगों के दौरान छोडकर भाग गया था। अरामबाई तेंगगोल के सदस्यों ने पुलिसकर्मियों के आने की सूचना मिलते ही उन्हें अगवा कर लिया। जिसके बाद इन्हें टॉर्चर किया गया और उनकी तस्वीरें लेकर वाट्सएप ग्रुप में वायरल की गईं।

पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं ममता : नरेंद्र मोदी

उत्तर प्रदेश को भी पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं अखिलेश यादव

पुरानी बुआ ने किया किनारा तो बबुआ बंगाल से लाए नई बुआ

राहुल गाँधी का बस चले तो राम मंदिर में लगवा देते ताला

भदोही ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को भदोही के ऊंज में एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा हमाला बोला। मोदी ने ममता को आरोपित करते हुए कहा कि ममता बंगाल में हिन्दुओं की हत्या करवाती हैं। उनके लोग हिन्दुओं को गंगा में डूबोकर मारने की धमकी देते हैं। दीदी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। वहां दलित और महिलाओं का सरेआम उत्पीड़न होता है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान अखिलेश यादव और राहुल गाँधी पर भी तीखा सियासी हमला बोला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तकरीबन 30 मिनट से अधिक के अपने संबोधन में ममता बनर्जी, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाने पर रखा। मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश को पश्चिम बंगाल बनाना चाहती है। क्योंकि ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की विचारधारा एक है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में हुई मनीष शुक्ला की हत्या पर भी सवाल उठाया। मनीष शुक्ला भदोही से ही है और भाजपा की राजनीति से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में आतंकवादियों को खुली छूट देती थी। उनके लिए प्रोटोकॉल जारी होता था और अखिलेश यादव सिमी पर मेहरबान थे। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी वाली बुआ बबुआ की चाल समझ गई ऐसी हालत में उन्हें पश्चिम बंगाल से नई बुआ को लाना पड़ा। बबुआ को अपनी नई बुआ से यह सवाल करना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों कों के गालियां देकर क्यों भगा दिया जाता है। क्योंकि समाजवादी पार्टी और ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं इसलिए दोनों की राजनीतिक विचारधाराए समान है। बबुआ उत्तर प्रदेश को पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा सरकार न होती तो

अयोध्या में श्रीराम मंदिर, बाबा काशी विश्वनाथ और विंध्याचल कॉरिडोर का निर्माण नहीं होता। यह लोग किसी भी कीमत पर राम मंदिर का निर्माण नहीं होने देते। आज स्थितियां बदल गई है लेकिन कभी रामलाल को टेंट में देखकर बहुत तकलीफ होती थी। ऐसे लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते हैं। कांग्रेस के शहजादे का बस चले तो वे राममंदिर में ताला लगाना चाहते हैं।

शुरुआती 4 चरणों में 66.95 प्रतिशत मतदान,

अब तक लगभग 451 मिलियन मतदाताओं ने की वोटिंग

नई दिल्ली ।

आप हैरान मत होइएगा अगर मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान आपको मतदाताओं से वोट डालने की अपील करते हुए विखे यात क्रिकेट खिलाड़ी और ईसीआई के नेशनल आइकन सचिन तेंदुलकर का फोन आ जाए। मौजूदा चुनावों के दौरान ईसीआई ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपने आउटरीच प्रयासों के अंतर्गत मतदाताओं से वोट देने की अपील करने और ऊे हें मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न प्रयासों की एक श्रृंखला शुरू की है। लोकसभा चुनाव 2024 में अब तक मतदान केंद्रों पर लगभग 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है, क्योंकि मौजूदा आम चुनावों के शुरुआती चार चरणों के दौरान लगभग 451 मिलियन लोगों ने मतदान किया है। ईसीआई ने प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच कायम करने के लिए अपने लक्षित प्रयासों को बढ़ाया है।

– आयोग ने क्या कहा

सीईसी राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ 5वें, 6वें और 7वें चरण में मतदान वाले राज्यों के सीईओ को सभी मतदाताओं को समय पर मतदाता सूचना पर्चियां वितरित करने और आउटरीच गतिविधियों को बढ़ाने का निर्देश दिया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, ÷आयोग का दृढ़ विश्वास है कि साझेदारी और सहयोग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अनिवार्य स्तंभ हैं। वास्तव में यह खुशी की बात है कि आयोग के अनुरोध पर, विभिन्न संस्थान, प्रभावशाली व्यक्ति और महत्वपूर्ण पहुंच रखने वाली मशहूर हस्तियां कंधे से कंधा मिलाकर उत्साहपूर्वक काम कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, अधिक संख्या में मतदान, भारतीय मतदाताओं की ओर से दुनिया को भारतीय लोकतंत्र की ताकत के बारे में एक संदेश होगा। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेकर भारी संख्या में मतदान करें, क्योंकि मतदान दिवस कोई छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि गौरव का दिन है।

उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए

देहरादून ।

उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चारधाम यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को बिना रजिस्ट्रेशन के उत्तराखंड नहीं आने की अपील की गई है। बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्रियों को ले जाने पर वाहनों के परमिट सीधे निरस्त होंगे। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जिन लोगों ने करवाया है। वह समय से पहले ही यात्रा करने पहुंच जा रहे हैं। ऐसे में बिना रजिस्ट्रेशन की बसों और गाड़ियों को तत्काल वापस भेजा जाएगा। चारधाम यात्रा को लेकर जारी नए दिशा -निर्देशों के अनुसार अब मंदिर परिसर के 200 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन को बैन किया गया है। हरिद्वार और ऋषिकेश सेंटर में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक किए जा रहे थे, हरिद्वार में ऋषि कुल ग्राउंड में निशुल्क रजिस्ट्रेशन सेंटर बनाया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिए उत्तराखंड सरकार की अधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। चारधाम यात्रा के दौरान रील बनाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किया गया है। अधिकारियों ने लोगों से रील नहीं बनाने की अपील की है। चारधाम यात्रा के सभी ठहराव स्थलों पर यात्रियों के लिए भोजन, पानी, शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। अगर कोई अफवाह फैलाता है तो इसके खिलाफ कार्रवाई होगी। यमुनोत्री हो या फिर गंगोत्री हर जगह ट्रैफिक जाम है। इस ट्रैफिक जाम में घंटों तक यात्री फंसे हुए हैं। यात्रियों की बढ़ती तादाद को देखते हुए यमुनोत्री में गेट सिस्टम लागू कर दिया है।

31 मई को केरल पहुंचेगा मानसून

मप्र में 16 से 21 जून और राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक पहुंचने के आसार

नई दिल्ली ।

इस साल मानसून सामान्य तारीख से एक दिन पहले ही केरल दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 31 मई को मानसून केरल पहुंचेगा। वैसे केरल में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है। मौसम विभाग ने बुधवार देर रात यह अनुमान जारी किया। घोषित तारीख में 4 दिन कम या ज्यादा होने की गुंजाइश रखी गई है। यानी मानसून 28 मई से 3 जून के बीच कभी भी आ सकता है। विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में अंडमान सागर और द्वीप समूह पर मानसून के दो दिन पहले यानी 19 मई को ही पहुंचने की संभावना है, जबकि वहां दस्तक देने की सामान्य तारीख 21 मई है। पिछले साल भी मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 19 मई को ही दस्तक दी थी, लेकिन केरल में 9 दिन देरी से 8 जून को पहुंचा था।

पिछले साल 8 जून को केरल पहुंचा था मानसून

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। बीते चार साल की बात करें तो 2020 में मानसून 1 जून को, 2021 में 3 जून को, 2022 में 29 मई को और 2023 में 8 जून को केरल पहुंचा था।

इस बार ला नीना से अच्छी बारिश का अनुमान

क्लाइमेट (जलवायु) के दो पैटर्न होते हैं, अल नीनो और ला नीना। पिछले साल अल-नीनो सक्रिय था, जबकि इस बार अल-नीनो परिस्थितियां इसी हफ्ते खत्म हुई हैं और संभावना बन रही है कि तीन से पांच हफ्तों में ला-नीना परिस्थितियां पैदा हो जाएंगी। पिछले साल अल-नीनो के समय सामान्य से कम 94 प्रतिशत बारिश हुई थी। 2020 से 2022 के दौरान ला-नीना ट्रिपल डिप के दौरान 109 प्रतिशत, 99 प्रतिशत व 106 प्रतिशत बारिश हुई थी।

950 मेगावाट के डेटा सेंटर वाला देश बना

डेटा सेंटर के मामले में ऑस्ट्रेलिया, हॉन्गकॉन्ग, जापान, को पछाड़ भारत बना बादशाह

नई दिल्ली । भारत में बेशक इंटरनेट क्रांति विकसित देशों के मुकाबले थोड़ा बाद में आई, लेकिन आज एशिया के देशों में भारत की तूती बोल रही है। भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, हॉन्गकॉन्ग एसएआर, जापान, सिंगापुर और कोरिया जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत बड़े आपेक देशों में (चीन को छोड़कर) 950 मेगावाट के डेटा सेंटर क्षमता वाला देश बन गया है। यह जानकारी सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड की रिपोर्ट से मिली है। भारत के बाद जापान दूसरा सबसे बड़ा डेटा सेंटर है, उसकी क्षमता 892 मेगावाट है। जापान के बाद ऑस्ट्रेलिया 773 मेगावाट, फिर सिंगापुर 718 मेगावाट, हॉन्गकॉन्ग 613 मेगावाट और फिर कोरिया 531 मेगावाट की क्षमता वाला देश है। तेजी से बदलती तकनीक की दुनिया के लिए डेटा सेंटर सबसे अहम हैं। कई बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित कर चुकी हैं या करना चाहती हैं। इसकारण भारत में डेटा सेंटर (डीसी) इंडस्ट्री ने काफी अच्छी ग्रोथ की है। जब कोविड महामारी की शुरुआत हुई थी, तभी भारत ने अपनी क्षमता को दोगुना कर लिया था। 2023 में 255 मेगावाट की क्षमता का इजाफा किया। 2022 में भी 200 मेगावाट की क्षमता वाला डेटा सेंटर लगाया गया था। 2024 में भी लगातार डेटा सेंटर में क्षमताओं का विस्तार किया जा रहा है। प्लान है कि अलग-अलग शहरों में 330 वॉट के डीसी लगाए जाएंगे। सालाना लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है, जिससे 1370 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में 2023 तक 16 मिलियन स्क्वेयर फीट के डीसी स्टॉक हैं। इस क्षेत्र में वैश्विक ऑपरेटर, रियल एस्टेट डेवलपर्स और देश के तेजी से बढ़ते बाजार में प्रवेश करने के लिए उत्सुक निजी इक्विटी फंडों से महत्वपूर्ण निवेश देखा गया है। वैश्विक निवेशकों की भारतीय डेटा सेंटर बाजार में गहरी रुचि बनी हुई है। कई समूह स्थानीय ऑपरेटरों के साथ साझेदारी और संयुक्त उद्यम पर नजर गड़ाए हुए हैं। खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या के कारण आने वाले वर्षों में ऑपरेटरों के बीच एम एंड ए गतिविधि में तेजी आने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार के बहुत अधिक बिखरने से पहले कुछ कंसोलिडेशन देखने को मिल सकता है।

कांग्रेस ने 60 साल में 20 हजार ...मोदी सरकार ने 10 साल में 44 हजार किलोमीटर इलेक्ट्रिफिकेशन किया

केंद्रीय रेल मंत्री, हर दिन 4 किलोमीटर पटरी बिछाई

नई दिल्ली ।

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले रेलवे को राजनैतिक दूध देने वाली गाय की तरह प्रयोग किया जाता था। इसतरह के कई मंत्री हैं, जिन्हें रेलवे के विकास से कुछ लेना-देना नहीं था। उन्होंने सिर्फ अपने संसदीय क्षेत्र या कुछ लोगों के लिए विकास किया था। 2014 के पहले के 60 साल तक देश में एक ही परिवार ने शासन किया। उन 60 सालों में रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन मात्र 20 हजार किलोमीटर हुआ। लेकिन, 2014 से 2024 में रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन 44 हजार किलोमीटर हुआ। 1950 से 1970 तक रेलवे में जो काम होना चाहिए था, ताकि, रेलवे की कैपेसिटी, जनसंख्या और इकोनॉमी के हिसाब से बढ़ाई जा सके, करीब 40-50 साल तक रेलवे को नजरअंदाज किया गया। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया, 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से प्रतिदिन 4 किलोमीटर के हिसाब से रेलवे नेटवर्क बिछाया गया। मतलब, साल भर में 1,200-1,500 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई। 31 मार्च 2024 को वित्तीय साल तक 5,300 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क को जोड़ा गया है, एक साल में स्विट्जरलैंड के रेलवे नेटवर्क 5,000 किलोमीटर के बराबर जोड़ा गया है। इसके पहले साल में 5,200 किलोमीटर पटरियां बिछाई गई। उन्होंने बताया, मोदी सरकार ने 10 साल में देशभर में रेलवे में 31,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक जोड़े। यानी जर्मनी के बराबर देश में रेलवे नेटवर्क को जोड़ा गया है। दुनिया आश्चर्यचकित है कि किस तरह से यह काम संभव हो पा रहा है। देश के 140 करोड़ देशवासियों को एक मॉडर्न ट्रेन की जरूरत थी, क्या इनके 20-30 साल पहले नहीं लाया जा सकता था। लेकिन, यह सौभाग्य भी पीएम मोदी के खाते में आया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, पीएम मोदी को अपने देश के इंजीनियर और डिजाइनरों के टैलेंट पर दृढ़ विश्वास था और उसी विश्वास के कारण पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा कि हम दूसरे देशों से ट्रेन नहीं लेने वाले हैं, हमें खुद से आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके बाद वंदे भारत डेवलप हुई। आज वर्ल्ड क्लास ट्रेन के जो भी मानक होते हैं, वे इस ट्रेन में मौजूद हैं। आज देशभर में 1,300 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। महाराष्ट्र में 120 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण का काम हो रहा है। भारत में बुलेट ट्रेन का डिजाइन बनना शुरू हो चुका है। अब भारत में बनी बुलेट ट्रेन भविष्य में एक्सपोर्ट होने वाली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने देश को एक हीन भावना में रखा हुआ था, जिसमें देश का विकास करने की बजाए हमेशा दूसरों के ऊपर निर्भर रहना पड़ता था। मोदी सरकार के 10 साल में यह सोच बदली है, हम कुछ भी तैयार कर सकते हैं। उन्होंने मोदी सरकार की कई योजना का जिक्र कर बताया, दुनिया के किसी भी देश में गरीबों के लिए इतना बड़ा कार्यक्रम नहीं चलाया जा रहा है। जितना की भारत में चलाया जा रहा है। वैष्णव ने कहा, जापान की जनसंख्या के करीब भारत में 10 करोड़ लोगों को पीएम उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर दिए गए।

भाजपा ने पूछा कि महिला सांसद से बदसलूकी करने वाला सीएम के साथ कैसे घूम रहा है

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी के आरोपी विभव कुमार इन दिनों सीएम के साथ घूम रहे हैं। भाजपा की ओर से वायरल की जा रही तस्वीर में केजरीवाल के साथ उनके पीए विभव कुमार दिख रहे हैं, जिन पर खुद आम आदमी पार्टी ने मालीवाल से अभद्रता और बदतमीजी का आरोप लगाते हुए सख्त ऐक्शन का ऐलान किया था। भाजपा नेताओं ने इस तस्वीर के साथ अरविंद केजरीवाल की नए सिरे से घेराबंदी शुरू कर दी है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बुधवार रात लखनऊ पहुंचे। उनके साथ राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह भी थे। भाजपा नेताओं ने एक तस्वीर जारी कि जिसमें केजरीवाल के पीछे विभव कुमार भी दिख रहे हैं। अब इसको लेकर भाजपा बेहद आक्रामक है। पार्टी पूछ रही है कि जिस शख्स पर एक महिला सांसद से बदसलूकी का गंभीर आरोप है और जिसके खिलाफ ऐक्शन लेने की बात कही गई थी वह अब तक सीएम के साथ कैसे घूम रहा है?

गर्मी के बीच बारिश की खबर... 31 मई को केरल पहुंचेगा मानसून

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून के 31 मई के आसपास केरल पहुंचने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा, इस साल, दक्षिण-पश्चिम मानसून 31 मई को केरल पहुंचने का अनुमान है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, यह जल्दी नहीं है। यह सामान्य तारीख के करीब है, क्योंकि केरल में मानसून की शुरुआत की सामान्य तारीख एक जून है। पिछले महीने, आईएमडी ने जून से सितंबर तक चलने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान जताया था। जून और जुलाई को कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानसूनी महीने माना जाता है, क्योंकि इस अवधि में खरीफ फसल की अधिकांश बुआई होती है।

गिरफ्तारी के डर से घर से भागे...आप विधायक अमानतुल्लाह और अनस

नई दिल्ली। पेट्रोल पंप कर्मी के साथ मारपीट के मामले में नोएडा पुलिस ने आप विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके आरोपी बेटे अनस की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। गुरुवार को नोएडा पुलिस अमानतुल्लाह और उनके बेटे की तलाश में विधायक के घर पहुंची, लेकिन वे घर पर नहीं मिले। बताया जा रहा हैं कि विधायक और उनका बेटा गिरफ्तारी की डर से फरार हो गए हैं। पूरे केस की जांच में नोएडा पुलिस की तीन टीम लगी हैं और अमानतुल्लाह और उसके बेटे के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट भी जारी किया हुआ है। फिलहाल अमानतुल्लाह और उनके बेटे ने अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा है। नोएडा पुलिस लगातार कई दिनों से अमानतुल्लाह के घर के चक्कर लगा रही है। नोएडा में पेट्रोल पंप कर्मी के साथ मारपीट मामले में नोएडा कोर्ट से आप विधायक अमानतुल्लाह, उसके बेटे अनस और एक अन्य आरोपी अबू बकर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। इसके पहले अमानतुल्लाह के घर शनिवार को नोएडा पुलिस नोटिस देने पहुंची थी। मगर, विधायक अपने बेटे के साथ कई दिन से घर से गायब हैं। लिहाजा, नोएडा पुलिस ने घर पर नोटिस चिपका दिया था।

मुख्तार अंसारी की प्रार्थना सभा में शामिल होगा बेटा अब्बास, सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत, फिर जाना होगा जेल

कासगंज। बाहुबली और नेता मुख्तार अंसारी की मौत के बाद प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही है। जिसमें जेल में बंद अपना बेटा विधायक अब्बास अंसारी भी शामिल हो सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास को उसके पिता की प्रार्थना सभा में शामिल होने की इजाजत दे दी है। अब्बास अंसारी 10 से 12 जून तक अपने घर पर रह सकेगा। इसके बाद 13 जून को उसे वापस जेल जाना होगा। अब्बास पचलाना जिला जेल में बंद है। उसे पिछले साल 14 फरवरी को चित्रकूट की जेल से यहां शिफ्ट किया गया था। बता दें मुख्तार अंसारी की मौत के बाद अब्बास अंसारी को पिता के जनाजे में शामिल होने के लिए इजाजत नहीं मिली थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट उसे फातिहा में हिस्सा लेने की इजाजत दे दी थी। अब्बास को कड़ी सुरक्षा में फातिहा में शामिल कराने के लिए गाजीपुर ले जाया गया। उसने पिता की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ी थी। अब उसे प्रार्थना सभा (चालीसवां) में शामिल होने की भी अनुमति दे दी है। अब्बास अंसारी के पिता की प्रार्थना सभा 10 जून को है। वह 10 जून को प्रार्थना सभा में हिस्सा लेगा। उसके बाद 11 और 12 जून को अब्बास अपने परिवार के सदस्यों, सगे संबंधियों से मुलाकात कर सकेगा। इस दौरान उसे मीडिया से बातचीत नहीं करने का आदेश दिया गया है। वहीं भाषण और राजनीतिक कार्यक्रम में भी हिस्सा नहीं ले सकेगा। 13 जून को अब्बास कासगंज कारागार रवाना हो जाएगा।

झारखण्ड के मंत्री आलमगीर को छह दिनों के रिमांड पर जेल भेजा, पीएमएलए कोर्ट में हुई पेशी, कल ईडी ने किया था गिरफ्तार

रांची। झारखण्ड के मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने रांची स्थित पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। ईडी की ओर से पूछताछ के लिए दस दिनों की रिमांड की गई, लेकिन स्पेशल कोर्ट ने ईडी को छह दिनों तक पूछताछ की अनुमति दी। आलमगीर को आज जेल भेज दिया गया और कल यानी 17 मई से पूछताछ शुरू की जाएगी। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को ईडी की ओर से रांची स्थित ईडी की विशेष अदालत में पेश किया गया। 37 करोड़ रुपये से अधिक कैश बरामदगी मामले में करीब 17 घंटे तक पूछताछ के बाद आलमगीर आलम को ईडी ने बुधवार शाम को गिरफ्तार किया था। आलमगीर ने ईडी दफ्तर में ही रात गुजारी, जिसके बाद गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच स्पेशल कोर्ट लाया गया। ईडी की ओर से पूछताछ के लिए दस दिनों की रिमांड मांगी गई, लेकिन स्पेशल कोर्ट ने छह दिन की अनुमति दी। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और नौकर जहांगीर आलम के ठिकानों से 37 करोड़ रुपए से अधिक कैश की बरामदगी की गई। ईडी रेड में जहांगीर आलम के घर से 32.20 करोड़ रुपए जब्त किए थे। इन रुपयों के बंडलों में कमीशनखोरी और उसके बंटवारे का हिसाब लिखा मिला। छापेमारी के दौरान ईडी ने संजीव लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया। दोनों से पूछताछ के मंत्री आलमगीर आलम को समन भेजा गया और दो दिनों की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

अंतरराज्यीय वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़, 21 लोग गिरफ्तार, गिरोह में सरकारी अधिकारी भी शामिल, नाबालिगों को कराया मुक्त

ईटानगर। अंतरराज्यीय वेश्यावृत्ति गिरोह में शामिल सरकारी अधिकारियों समेत 21 लोगों को पिछले दिनों अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया और 10 से 15 साल उम्र की पांच नाबालिग लड़कियों को उनके चंगुल से आजाद कराया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए सरकारी अधिकारियों में एक पुलिस उप अधीक्षक और स्वास्थ्य सेवाओं का उप निदेशक शामिल है। ईटानगर एसपी रोहित राजबीर सिंह ने कहा कि राजधानी में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली दो बहनें पड़ोसी राज्य असम के धेमाजी से नाबालिग लड़कियों की तस्करी कर अरुणाचल प्रदेश में ला रही थीं। यहां पास में चिंपू में नाबालिग लड़कियों से जुड़ा एक वेश्यावृत्ति गिरोह सक्रिय होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दो बहनों के घर पर छापा मारा और दो नाबालिग लड़कियों को उनके चंगुल से मुक्त कराया। एसपी ने कहा कि नाबालिग लड़कियों ने बताया कि उन्हें दो बहनें धेमाजी से ईटानगर लेकर आई थीं। इसके बाद धेमाजी से तस्करी करके लाई गई दो और नाबालिग लड़कियों के बारे में पता चला जो एक महिला के चंगुल में थीं और बाद में उन्हें मुक्त कराया गया। पुलिस को यह भी पता चला है कि आरोपी एक और नाबालिग लड़की को तस्करी कर लाएं हैं जिसके बाद एक होटल में छापेमारी की गई और लड़की को वहां से बरामद कर आरोपियों के चंगुल से मुक्त कराया।

मोदी सरकार की नीतियों की वजह से महंगाई आज चरम पर

- राहुल गांधी के पक्ष में चुनावी सभा में प्रियंका गांधी ने केंद्र पर बोला हमला

प्रयागराज (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में चुनाव करने आई प्रियंका गांधी ने एक जनसभा में मोदी सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार अमीरों के कर्जे माफ करती है उनके मंत्री के पुत्र किसानों को अपनी गाड़ियों के नीचे कुचल देते है लेकिन किसानों का कर्जा नहीं माफ करते हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी में रायबरेली के ऊंचाहार इलाके लोकसभा चुनाव में अपने भाई कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि रायबरेली से उनका पीढ़ियों से नाता रहा है और रायबरेली की जनता यहां से चुने गए कांग्रेस के नेताओं की जवाबदेही होती थी। उन्होंने आरोप लगाया वर्तमान सरकार में यह जवाबदेही नहीं रह गई और यह लोग, जनता को धर्म के नाम गुमराह कर वोट हासिल कर रहे है और मोदी सरकार की नीतियों की वजह से महंगाई आज आसमान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि आज गैस का सिलेंडर 11 सौ का हो गया है जबकि पहले यही सिलेंडर 400 रुपए का था। उस समय भाजपा के नेता सड़क पर सिलेंडर लेकर उतर आते थे। आज देश में 70 करोड़ लोग बेरोजगार है। अमीरी और गरीबी की खाई बढ़ती जा रही है। सड़कें, बिजली और पानी की जो सुविधाएं जैसी मिलनी चाहिए नहीं मिल रही है। आमलोग, युवा, किसान और गरीब परेशान है। उन्होंने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इनकी सरकार के एक मंत्री के पुत्र ने किसानों पर गाड़ी चढ़ा दी थी जिसमे कुछ किसान भाई मारे गए थे। मोदी सरकार आज पूंजीपतियों का कर्ज माफ कर देती है जबकि गरीब और किसानों के कर्ज माफ नहीं करती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की बड़े पूंजीपतियों से साठगांठ है इसलिए देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे खदानें, बड़े खरबपतियों को दे दिए गए हैं और तो और त्रुटिपूर्ण कोरोना महामारी का टीका बनाने वाली कम्पनी से मोदी ने 52 करोड़ रुपए चंदा लिया है जबकि उस वैक्सीन से लोगों को दिल के दौरे पड़ सकते है। आज गांवों में आवारा पशु और छुट्टा जनावर खेत चर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार की नीयत सही हो तो समस्याओं का हल होता है लेकिन मोदी सरकार की नीयत सही नहीं है। यह सरकार आरक्षण बदलने की बात कह रही है और आज इसी चुनाव में देश का भविष्य निहित है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने पर किसानों, महिलाओं और नौजवानों के लिए अनेकों योजनाओं को लाया जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य, नौकरी का अधिकार, पेपर लीक को खत्म करने का कठोर कानून बनाया जाएगा। हम कोटेदार को भी आर्थिक रूप से सबल बनाने की योजना लाएंगे। राहुल गांधी जनता की समस्याओं को जानने और उनके निवारण के लिए चार हज़ार किलोमीटर की पैदल यात्रा की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक पत्रकार को एक जनसभा में भाजपा के लोगों द्वारा पीटा गया क्योंकि उसने उन महिलाओं का वीडियो बना लिया था जिसमें उन महिलाओं ने कहा था कि उन्हें पैसे देकर बुलाया गया है।

इंडिया गठबंधन को तुष्टीकरण की राजनीति पर भरोसा : धामी

रोहतक। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा में बड़े घोटाले होते थे, जबकि भाजपा नीत सरकार ने पारदर्शी प्रशासन दिया है। सीएम धामी लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। हरियाणा की 10 संसदीय सीटों के लिए छठे दौर में 25 मई को मतदान होना है। धामी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस के शासन के दौरान ''कई घोटाले हुए, लेकिन हरियाणा में भाजपा के सत्ता में आने के बाद पार्टी ने एक पारदर्शी प्रशासन दिया। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस के शासनकाल में नौकरियां देने में भ्रष्टाचार और पक्षपात होता था, वहीं भाजपा सरकार पूरी तरह से योग्यता के आधार पर नौकरियां दी है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और इसके घटक दल कांग्रेस पर निशाना साधकर धामी ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, जो पूरे देश को अपना परिवार मानते हैं और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन है, जिसमें नेताओं के लिए अपना परिवार पहले है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं ने अपनी पार्टियों को बचाने और अपने भ्रष्टाचार व घोटालों को छिपाने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के तहत हाथ मिलाया है। धामी ने दावा किया कि यह गठबंधन तुष्टीकरण की राजनीति में विश्वास करता है।

पीएम मोदी विश्वास खो चुके हैं क्योंकि जनता राजनीतिक बदलाव चाहती है : शरद्र पवार

नासिक (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (मोदी) अपना विश्वास खो चुके हैं क्योंकि जनता इस बार राजनीतिक बदलाव चाहती है। पवार ने प्रधानमंत्री मोदी को जिरेटोप पहनाने के लिए अजित पवार नीत राकांपा के नेता प्रफुल्ल पटेल की भी आलोचना की और कहा कि यह पूर्व केंद्रीय मंत्री की 'लाचारी' को दिखाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज अक्सर जिरेटोप पहना करते थे। पवार ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, लोकसभा चुनावों के दौरान मैं कई जगह प्रचार करने गया। लोगों की मानसिकता (राजनीतिक) अब बदल चुकी है और इस वजह से मोदी अपना विश्वास खो चुके हैं। राज्य में महाविकास अघाडी के समर्थन में हवा है।

पवार ने मुंबई के घाटकोपर इलाके में बुधवार को रोडशो करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, मोदी ने गुजराती प्रभुत्व वाले एक इलाके में रोड शो किया। जब आप एक देश की अगुवाई कर रहे हैं तब जाति और धर्म के बारे में सोचना सही नहीं है। मुंबई जैसे शहर में रोडशो करना सही चीज नहीं है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। उन्हें इसकी वजह से परेशानी हुई...इस तरह की शिकायतें प्राप्त हुईं। रोडशो से पहले जागृति नगर और घाटकोपर स्टेशन के बीच मुंबई मेट्रो रेल सेवा सुरक्षा कारणों से निर्लंबित कर दी गयी थी। पुलिस ने रोडशो की वजह से आस-पास की कुछ सड़कों को बंद किया और कुछ पर मार्ग परिवर्तित कर दिये। पवार ने जिरेटोप विवाद पर कहा, जिरेटोप और महाराष्ट्र का इतिहास है। लाचारी की भी सीमा होती है। लेकिन अच्छा है कि उन्होंने कहा कि वह भविष्य में इसका ध्यान रखेंगे। वाराणसी में नामांकन दाखिल करने से पहले पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी के सिर पर जिरेटोप पहनाया, जिसे लेकर विवाद छिड़ गया। विपक्षी दलों ने इसकी काफी आलोचना की।

स्मृति ने कहा- प्रियंका वाड्रा सीधे चुनाव नहीं लड़ रहीं है लेकिन मुकाबला उन्ही से है

अमेठी (एजेंसी)। अमेठी लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने दावा किया है कि इन दिनों कांग्रेस की प्रियंका गांधी अमेठी के चुनाव प्रचार में सक्रिए हैं। इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि मेरा सही मुकाबला प्रियंका वाड्रा से है। इधर, 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेठी के बजाए रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। ईरानी ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराया था। प्रियंका गांधी को लेकर उन्होंने कहा, मैं बच्चों वाली राजनीति में नहीं पड़ना चाहती। मेरी प्रतिद्वंदी प्रियंका वाड्रा हैं। वह बैकस्टेज से लड़ रहीं हैं। भाई कम से कम सामने से तो लड़ा था। 2014 में भी राहुल सिर्फ 1.07 लाख वोट से जीते थे और वो भी मुलायम सिंह यादव की मदद से। उन्होंने कांग्रेस पर अतीत में अमेठी में बूथ कैप्चरिंग और राजनीतिक हिंसा के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि परिवार ने यह सुनिश्चित किया कि इन घटनाओं पर कोई भी रिपोर्ताज न हो। चर्चा में उन्होंने कहा, अमेठी में राजीव गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ना आसान नहीं रहा होगा और इसके बाद उनपर कांग्रेस के गुंडों ने हमला कर दिया था। अटकलें थीं कि अमेठी से एक बार फिर राहुल गांधी मैदान में उतर सकते हैं, लेकिन उन्होंने रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसके अलावा वह केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। वह यहां के मौजूदा सांसद भी हैं। कांग्रेस ने अमेठी से केएल शर्मा को टिकट दिया है।

स्वाति मालीवाल को लेकर अखिलेश के बयान पर भड़की मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमों मायावती ने ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्?मान और उत्पीड़न पर दोहरा मातदंड नहीं अपनाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में बहनजी ने कहा कि स्?वाति मालीवाल के साथ अभद्रता के मामले में दोषी पर अब तक कार्रवाई नहीं होना गलत है। ऐसे में राज्यसभा के सभापति और महिला आयोग को भी इस घटना का संज्ञान लेना चाहिए। बीजेपी के बाद जिस तरह से बसपा सुप्रीमों इस मुद्दे को उठा रही हैं उससे लगता है कि आम आदमी पार्टी (आप) सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में सियासत अभी और तेजी पकड़ेगी। इस मुद्दे पर बीजेपी पहले से आम आदमी पार्टी पर हमलावर है, तो अब बसपा सुप्रीमो मायावती भी इस मैदान में उतर आई हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उत्पीड़न के साथ ही किसी भी नेता द्वारा अन्य कोई भी गलत कार्य करने पर सख्त कार्रवाई के मामले में चाहे कोई भी पार्टी या इंडी व अन्य गठबन्धन हो तो इन्हें दोहरा मापदंड नहीं अपनाना चाहिए अर्थात् इन्हें बीएसपी के शीर्ष नेतृत्व से ज़रूर सबक लेना चाहिए। अत: आप पार्टी की महिला राज्यसभा सांसद के साथ सीएम आवास में अभद्रता के गंभीर मामले पर देश की नजर तथा दोषी के विरुद्ध अब तक कार्रवाई नहीं होना अनुचित। ऐसे में राज्यसभा के सभापति व महिला आयोग को भी इस घटना का समुचित संज्ञान लेने की जरूरत।'

अमेरिका की चेतावनी के बाद भारत अलर्ट, पूरी सावधानी बरत रहा

-भारत-ईरान चाबहार समझौते को लेकर अमेरिका कर रहा प्रतिबंध की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ईरान के बीच चाबहार पोर्ट को लेकर हुई डील है। डील के तहत पोर्ट का मैनेजमेंट अगले 10 साल तक संभालेगा। भारत-ईरान की इस डील के बाद अमेरिका ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ व्यापार करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि प्रतिबंध भी लग सकते हैं। अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि 2018 में उसने भारत को ईरान से डील पर जो छूटें दी थीं, उन्हें वापस लिया जा सकता है। अमेरिका ने भारत को जो छूट दी थी उसके तहत भारत चाबहार पोर्ट को तैयार कर सकता है और अफगानिस्तान तक रेलवे लाइन बिछा सकता है। सूत्रों के अनुसार अमेरिकी की चेतावनी के बाद भारत की कोशिश है कि चाबहार पोर्ट के प्रोजेक्ट में ईरान की ऐसी कोई कंपनी शामिल न हो, जिस पर अमेरिकी पाबंदियां लगी हों। ईरान के साथ चाबहार पोर्ट पर हुए 10 साल के करार में इतना वक्त लगने के पीछे यही वजह थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत नहीं चाहता कि ऐसे किसी नियम का उल्लंघन हो, जिससे अमेरिकी पाबंदियां उस पर लग जाएं। बता दे अमेरिका ने जब भारत को इस डील पर राहत दी थी, तब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार थी। तब अमेरिकी रुख को लेकर माना गया था कि उसने चाबहार पोर्ट में भारत की अहम भूमिका को समझा है। खासतौर पर अफगानिस्तान में अमेरिका और भारत के हितों को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। अब अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिक वापस लौट गए हैं और क्षेत्र की स्थितियां बदल चुकी हैं। ऐसी स्थिति में भारत भी चाहता है कि चाबहार की डील भी जारी रहे और अमेरिकी प्रतिबंधों का भी उल्लंघन न हो। अब अमेरिका के बदले रुख ने भारत को भी अलर्ट कर दिया है।

केदारनाथ धाम में अब नहीं बजा सकेंगे ढोल, नगाड़े

-शोरगुल पर भड़के तीर्थ पुरोहित बोले- केदारसभा की अनुमति जरुरी

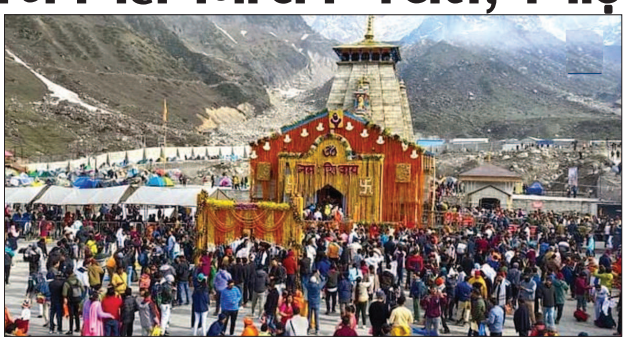

देहरादून (एजेंसी)। केदारनाथ धाम में बिना अनुमति के ढोल-नगाड़े बजाना युवकों पर भारी पड़ गया। वहां के तीर्थपुरोहित ने इन युवाओं की जमकर क्लास ली और फटकार लगाई और दोबारा ढोल न बजाने की चेतावनी भी दी। तीर्थपुरोहित ने यहां तक कह दिया कि डीएम की अनुमति होने के बाद भी केदारसभा की अनुमति लेनी जरूरी होगा।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही राज्यों के कलाकार ढोल-नगाड़ों के साथ वहां पहुंचे गए। पहले महाराष्ट्र के कलाकारों ने ढोल, नगाड़ों के साथ नृत्य किया। केदारधाम में रोज ही युवा ढोल-नगाड़े बज रहे हैं जिससे काफी शोरगुल हो रहा था। धाम में ढोल नगाड़े बजने का सोशल मीडिया में जब वीडियो वायरल हुआ तो कई लोगों ने इस तरह की मस्ती और शोरगुल का विरोध किया। इसके बाद युवाओं के ढोल नगाड़े बजाने और वीडियो बनाने पर तीर्थ पुरोहित अंकित सेमवाल भड़क गए और उन्होंने इन युवाओं को जमकर फटकार लगाई। यहां तक कि उन्होंने ढोल छीन कर फेंक दिया।

सेमवाल का कहना था कि ढोल ना बजाया जाए। यहां केवल मंदिर का ढोल बजेगा। इसके अलावा कोई शोरगुल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन युवाओं से यह भी सवाल किया कि यहां ढोल नगाड़े बजने की अनुमति उनके पास है या नहीं यदि अनुमति है तो दिखाएं। हालांकि यह लोग इस तरह की कोई अनुमति नहीं दिखा पाए। इस पर सेमवाल ने साफ कह दिया कि यदि जिलाधिकारी भी अनुमति देंगे तो यहां ढोल-नगाड़े बजाने के लिए पहले केदारसभा की अनुमति लेना जरूरी होगा।

वहीं उत्तराखंड के मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चारधाम यात्रा का दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा है कि बिना रजिस्ट्रेशन व ट्रिप कार्ड या पोस्ट डेटेड रजिस्ट्रेशन की बसों और गाड़ियों का यात्रा मार्ग पर संचालन होने पर इन बसों को यात्रा मार्ग से ही वापस भेजने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में मुख्य सचिव ने अन्य राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों को भी पत्र भेजने की बात कही है।

भाजपा में दलबदलुओं की फौज: पार्टी का हर चौथा उम्मीदवार दूसरे दल से

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा उम्मीदवारों की सूची में लगभग एक चौथाई या 435 में से 106 ऐसे उम्मीदवार हैं जो पिछले 10 सालों में किसी ना किसी समय दल बदलकर आए हैं। इनमें से 90 लोग पिछले पांच सालों में भाजपा में शामिल हुए। ऐसे उम्मीदवारों का सबसे ज्यादा अनुपात आंध्र प्रदेश में है, जहां भाजपा ने छह उम्मीदवार उतारे हैं। 2019 से अब तक उनमें से एक को छोड़कर सभी किसी दूसरी पार्टी से आए हैं। इनमें न केवल कांग्रेस और वाईएसआरसीपी से आए नेता शामिल हैं, बल्कि विडंबना यह है कि इसके मौजूदा सहयोगी टीडीपी से भी आए नेताओं को भी टिकट दिया गया है। पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भाजपा के 17 उम्मीदवारों में से लगभग दो तिहाई उम्मीदवार अन्य पार्टियों से आए हैं जिनमें मुख्य बीआरएस और कांग्रेस हैं। ऐसे 11 उम्मीदवारों में से छह इन चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ऐसे राज्य हैं जहां बीजेपी की मौजूदगी सीमित रही है, यहां तक कि हरियाणा में भी। हरियाणा में बीजेपी एक दशक से सत्ता में है, उसके 10 में से छह उम्मीदवार ऐसे हैं जिन्होंने 2014 के बाद से पाला बदल लिया है। इनमें से दो, नवीन जिंदल और अशोक तंवर लोकसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी में शामिल हुए थे। इसी तरह, पंजाब में पार्टी के 13 उम्मीदवारों में से आधे से ज्यादा उम्मीदवार ऐसे हैं जो कुछ समय पहले तक दूसरी पार्टियों में थे। इनमें से कुछ कांग्रेस में थे लेकिन अमरिंदर सिंह के साथ ही कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए जब उन्होंने अपनी नई पार्टी का भगवा पार्टी में विलय कर दिया। झारखंड की स्थिति पंजाब जैसी ही है, जहां 13 में से सात विधायक एक दशक या उससे भी कम समय पहले तक दूसरी पार्टियों के सदस्य थे। इस मामले में, आयातित सदस्य झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), कांग्रेस और तत्कालीन झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) से हैं, जिनमें सबसे हाई प्रोफाइल सीता सोरेन हैं। सीता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी हैं।

बीजेपी में बाहरियों को टिकट देने के लिहाज से सबसे ज्यादा चौंकाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां पिछले एक दशक में भाजपा का दबदबा रहा है, चाहे वह संसदीय चुनाव हो या राज्य विधानसभा का चुनाव। यहां बीजेपी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने वाले एक सहयोगी को छोड़कर भाजपा के सभी 74 उम्मीदवारों में से 23 ऐसे हैं जो वर्ष 2014 से अब तक किसी समय भाजपा में शामिल हुए हैं। यह राज्य में बीजेपी उम्मीदवारों का 31 प्रतिशत है।इसी तरह, बीजेपी ने ओडिशा में 29प्रतिशत और तमिलनाडु 26 प्रतिशत कैंडिडेट उन नेताओं को बनाए जो दूसरे दलों से आए हैं। इन राज्यों में दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना

भाजपा की मजबूरी भी है क्योंकि ये भाजपा के गढ़ नहीं हैं। हैरत की बात यह है कि महाराष्ट्र में भी एक चौथाई बीजेपी उम्मीदवार ऐसे हैं जिन्होंने पाला बदलकर पार्टी का दामन थामा है। यह यकीनन राज्य की राजनीति में आए बड़े बदलाव का लक्षण है, खासकर पिछले पांच सालों में। प. बंगाल में बीजेपी कैंडिडेट्स पर गौर करें तो स्थिति महाराष्ट्र जैसी ही दिखती है। हालांकि, अन्य सभी राज्यों में यह अनुपात कम है। मजे की बात है कि भाजपा का गढ़ माने जाने वाले गुजरात में भी 2014 के बाद से दो उम्मीदवार पार्टी में शामिल हुए हैं।

दुनिया की कुछ चुनिंदा जगह जहां मई से जून के बीच पड़ती हैं कड़ाके की सर्दी

लंदन ।मई-जून का महीना ऐसा होता है, जब गर्मी अपने चरम पर होती है।आप कितनी भी कोशिश कर लें, लू के थपेड़ों से बचना नामुमकिन होता है।पारा 45-50 डिग्री तक पहुंच जाता है।हालांकि कुछ जगहें इस वक्त भी इतनी ठंडी होती हैं कि यहां आग जलाए रखना भी मुश्किल होता है।इन जगहों पर पारा माइनस से कई डिग्री नीचे खिसक जाता। हम बात कर रहे हैं साउथ पोल यानि अंटार्टिका की।आपको भरोसा नहीं होगा लेकिन जून से लेकर अगस्त के महीने में जब हम पसीने से तर-बतर होते हैं, तब यहां तापमान -20 से -30 डिग्री फारेनहाइट के भी बीच होता है।इस मौसम में लोगों को यहां नहीं जाने की सलाह दी जाती है, क्योंकि तेज-ठंडी हवाएं चलती रहती हैं और सूरज बिल्कुल भी नहीं दिखाता है। 24 घंटे अंधेरा बना रहता है और इंसान का खून तक जम जाने की स्थिति होती है।इसके अलावा अर्जेंटीना भी ऐसा देश है, जहां जून से अगस्त तक तापमान गिरा हुआ रहता है।इस दौरान यहां 15-18 डिग्री सेल्सियस तक टेंपरेचर रहता है।मदागास्कर आइलैंड में भी जून महीने में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है।कई बार यहां 12 डिग्री सेल्सियस तक भी तापमान पहुंच जाता है।इसके अलावा न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ग्रीनलैंड में भी ठंड का माहौल होता है।वहीं पेरू, बोलीविया और ऑस्ट्रेलिया के कुछ बीच पर जून-जुलाई के मौसम में तापमान 15-19 डिग्री के बीच होता है।

दुबई का बुर्ज खलीफा.. बन गया अरबपतियों के साथ माफिया का ख्वाबगाह

दुबई ।दुबई की एक गगनचुंबी अट्टालिका के 37वें माले से कथित बोसनियाई ड्रग माफिया की पत्नी अपने टिकटॉक अकाउंट पर लगातार वीडियो पोस्ट कर रही थी।रेंट पर लिया गया ये घर, अपार्टमेंट क्या रईसों का ख्वाबगाह था।यहां की लग्जरी किसे नहीं लुभाती।जियो-लोकेशन स्पेशलिस्ट ने पता लगाया कि ये दुबई का ऑईकोनिक बुर्ज खलीफा है।पता चला कि करोड़ों डॉलर के इस अपार्टमेंट का मालिक कैंडिडो स्यू ओकोमो नाम का शख्स है।ये व्यक्ति अफ्रीकी देश की नेशनल ऑयल कंपनी का पूर्व चीफ रहा है और इस पर करोड़ों डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।इस अपार्टमेंट के किरायेदार की पहचान जेनिस कैड्रिक के रूप में हुई है जो बोस्निया का कुख्यात ड्रग लॉर्ड है।अभी ये पता नहीं है कि कैंडिडो स्यू ओकोमो और जेनिस कैड्रिक एक दूसरे को जानते हैं या नहीं लेकिन रेंट एग्रीमेंट के द्वारा इनका मिलना आधुनिक दुबई का प्रतीक है, जहां गोपनीयता और वर्षों की उदार नीतियों ने दुबई के मकान मालिकों की लिस्ट में इसतरह के लोगों को डाल दिया है जिनकी ख्याति पर सुरक्षा एजेंसियां प्रश्न चिह्न उठाती रही है।दुबई में स्टील और कांक्रीट के जंगलों में कई सफेदपोश शख्सियतों ने ख्वाबगाह खरीदें हैं जिनकी कमाई उनके देश में शक के घेरे में हैं। इस लिस्ट में बिजनेसमैन, ड्रग माफिया, मनी लॉन्ड्रर, आर्मी जनरल सहित समाज के कई कथित एलीट शामिल हैं। इस पॉवरफुल लिस्ट में भारत, पाकिस्तान के धन कुबेर भी शामिल हैं। जिन्होंनेकरोड़ों-अरबों की कमाई से दुबई के समृद्धतम इलाकों में अपना आशियाना खरीदा है।रिपोर्ट के अनुसार ये लीक डेटा दुबई की प्रॉपर्टी मार्केट का असली बादशाह कौन है इससे पर्दा हटा देता है।रिपोर्ट के अनुसार इस डॉटा को हासिल किया सेंटर फॉर एडवांस्ड डिफेंस स्टडीज नाम के गैर सरकारी संगठन ने।ये संस्था वाशिंगटन डीसी में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय अपराध और संघर्षों पर शोध करती है।इसके बाद डाटा को नार्वे की वित्तीय संस्था ई24 और ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट के साथ शेयर किया गया।इन संस्थाओं ने दुनिया भर की मीडिया एजेंसीज के साथ मिलकर तथ्यों को खंगाला और जांच किया।इसके बाद ये रिपोर्ट सामने आई है जिसे नाम दिया गया है दुबई अनलॉक्ड इस जांच में 58 देशों के 74 साझेदार शामिल हैं।

फिको की शल्य चिकित्सा के बाद हालत स्थिर

ब्रातिस्लावा।स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हालत शल्य चिकित्सा के बाद स्थिर है।स्थानीय मीडिया के अनुसार स्लोवाकिया के पर्यावरण मंत्री टॉमस ताराबा के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री की जान को कोई खतरा नहीं है। श्री ताराबा ने कहा, मैं बहुत हैरान था। सौभाग्य से जहां तक मुझे पता है, ऑपरेशन अच्छा रहा और मुझे लगता है कि अंत में वह बच जाएंगे।इस समय वह जीवन के लिए खतरे में नहीं है।उन्होंने कहा कि एक गोली पेट में और दूसरी जोड़ में लगी।उप प्रधानमंत्री एवं मंत्री रॉबर्ट कालिनक ने कहा कि शल्य चिकित्सा के दौरान श्री फीको की हालत गंभीर थी। गृह मंत्री माटस सुताज एस्टोक के अनुसार हमले को राजनीति से प्रेरित हत्या के रूप में वर्गीकृत किया गया है।श्री फिको राजधानी से करीब 150 किमी दूर हैंडलोवा शहर में एक सरकारी बैठक में भाग लेने के बाद एक हमले में घायल हो गए।श्री फिको को हेलीकॉप्टर द्वारा बैंस्का बायस्ट्रिका के रूज़वेल्ट अस्पताल ले जाया गया। मौके से हिरासत में लिया गया संदिग्ध 71 साल का बुजुर्ग बताया जा रहा है।

चीन में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन का सफल टेस्ट....लेकिन माना गया असफल , प्रोजेक्टाइल ने पथ का पालन नहीं किया

बीजिंग ।चीनी नौसेना ने हाल ही में एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन का टेस्ट किया है।इसके द्वारा चीन ने हाइपरसोनिक गति से समताप मंडल में एक सटीक-गाइडेड गोला-बारूद लांच किया।इस टेस्ट में समताप मंडल में 15 किमी की ऊंचाई तक आवाज की रफ्तार से पांच गुना ज्यादा स्पीड (5 मैक) से एक स्मार्ट बम को फायर करना शामिल था।सफल लांच के बाद भी इस प्रयोग को असफल माना गया।मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि प्रोजेक्टाइल ने उस पथ का पालन नहीं किया, जो पथ दिया गया था।अधिक सीमा और ऊंचाई दोनों डिजाइन मूल्यों से कम हो गईं।स्मार्ट बम की ओर से जमीन पर वापस भेजे गए डेटा के विश्लेषण से टीम ने एक महत्वपूर्ण समस्या की पहचान की।टीम ने पाया कि लांच के दौरान प्रोजेक्टाइल बहुत तेजी से घूम रहा था, जिससे न चाहते हुए झुकाव हो रहा था। इस खोज से वैज्ञानिकों को रोटेशनल स्टीड लैचिंग नाम की एक तकनीकी बाधा का अहसास हुआ, जो रेल गन के इस्तेमाल के लिए बड़ी चुनौती है।रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी शोधकर्ता समस्या का पता लगाने और एआई के जरिए उसका समाधान खोजने के लिए तैयार हैं। चीन के इस प्रयोग का निष्कर्ष इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन के संचालन में शामिल जटिलताओं पर प्रकाश डालता है।ये पारंपरिक भौतिक सिद्धांतों को खारिज करता है।शोधकर्ताओं की ओर से बताया गया कि चुनौतियों में एक लॉन्चिंग के दौरान प्रोजेक्टाइल को घूमने से रोकने की जरूरत है।हालांकि प्रयोग के फेल होने के बावजूद इस परीक्षण से मिले रिजल्ट चीन को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन बनाने के प्रयासों की ओर बढ़ाएंगे। रेलगन असाधारण गति से प्रोजेक्टाइल को चलाने के लिए इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फोर्स पर काम करने वाला एक हथियार है।लंबे समय से लड़ाइयों में इसकी कल्पना की जाती रही है।प्रथम विश्व युद्ध से पहले फ्रांस के इंजीनियर आंद्रे लुइस ऑक्टेव फौचॉन-विलेप्ले ने 1879 में एक रेलगन की अवधारणा तैयार की थी।

कैमरून में अलगाववादी हमले में दो सैनिक और दो नागरिक मारे गए

याउंडे ।कैमरून के युद्धग्रस्त अंग्रेजी भाषी क्षेत्र उत्तर-पश्चिम में एक अलगाववादी हमले में दो सुरक्षा सैनिक और दो नागरिक मारे गए है।एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि अलगाववादी लड़ाकों ने क्षेत्र के बंबुई इलाके में कैमरून सुरक्षा के दो सदस्यों पर घात लगाकर हमला किया।अधिकारी ने बताया, सैनिक एक बार में शराब पी रहे थे और वहां से निकलने वाले थे तभी छिपे हुए अलगाववादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।इसके बाद हुई झड़प में दो सैनिक, बार मालिक और एक महिला की मौत हो गई।उन्होंने बताया कि झड़प में 26 वर्षीय एक महिला घायल हो गई।महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। कैमरून 20 मई को राष्ट्रीय दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है।

अजरबेजान से रुसी सैनिकों की वापसी के अवसर पर दोनो देशों के सैन्य अधिकारी एक समारोह में एकसाथ नजर आये।

गाजा में रिटायर्ड भारतीय कर्नल की मौत पर बड़ा खुलासा

गाजा ।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने एक प्रेस कांफ्रेंस में सवाल का जवाब देते हुए कहा, ऐसा लग रहा है कि जिस यूएन व्हीकल में कर्नल वैभव अनिल सवार थे उसको पीछे से निशाना बनाया गया है।व्हीकल में दो यूएन स्टाफ मेंबर सवार थे, अनिल और डीएसएस की एक महिला स्टाफ जिसका ट्रीटमेंट किया जा रहा है और हमें विश्वास है कि वह जल्द ठीक हो जाएगी।जब यूएन अधिकारी फरहान हक से पूछा गया कि जिससे गोली चलाई गई क्या ये टैंक इजराइल का था, तो उन्होंने कहा कि हो सकता है, क्योंकि रीजन में बस इजराइल के टैंक ही तैनात हैं. उन्होंने आगे कहा कि वे मामले में इजराइल के साथ बातचीत कर रहे हैं। बता दें गाजा के राफा में तैनात रिटायर्ड भारतीय कर्नल वैभव अनिल काले की मौत हो गई है।गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ये पहला विदेशी यूएन कर्मी की मौत का मामला बताया जा रहा है।वैभव अनिल की मौत को लेकर यूएन के एक सीनियर ऑफिसर ने बड़ा बयान दिया है।यूएन ऑफिसर ने कहा है कि जो गोली भारतीय रिटायर्ड कर्नल को लगी है, उसको टैंक के जरिए फायर किया गया है। खबर के मुताबिक, बिना किसी को जिम्मेदार ठहराए इजराइल सेना ने कहा है कि वाहन उस इलाके से गुजर रहा था, जहां हमास और सेना के बीच लड़ाई जारी थी।इस इलाके को नॉन मूवमेंट जोन बताया जा रहा है यानी यहां वाहन आने की इजाजत नहीं थी। लेकिन इस पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि इजराइल को क्या यूएन के वाहन की जानकारी थी या नहीं।अनिल की मौत पर विदेश मंत्रालय का कहना है, 13 मई 2024 को गाजा में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा और सुरक्षा विभाग (डीएसएस) में सुरक्षा अधिकारी रिडार्यड कर्नल वैभव अनिल काले की मौत से हमें गहरा दुख हुआ है।

गिरफ्तारी के बाद इमरान खान की पहली झलक, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट में हुए पेश

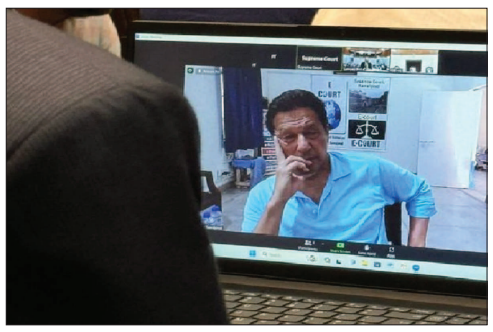

जेनेवा(एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान पाकिस्तान के भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों में संशोधन के खिलाफ दायर एक मामले के सिलसिले में गुरुवार को जेल से वीडियो के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। उनकी वीडियो उपस्थिति को अदालत की वेबसाइट और यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किए जाने की उम्मीद थी, जिससे पिछले साल अगस्त में उनकी गिरफ्तारी के बाद जेल में बंद नेता का यह पहला सार्वजनिक दृश्य बन गया। लेकिन कार्यवाही शुरू होने पर वेबसाइट पर विजुअल्स नहीं देखे जा सके। यह तुरंत पता नहीं चला कि दृश्य वेबसाइट या यूट्यूब पर क्यों उपलब्ध नहीं थे। खान के हजारों समर्थक उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के यूट्यूब चैनल पर इंतजार कर रहे थे, जहां अदालत के दृश्य प्रसारित होने की उम्मीद थी।

कैमरे को इमरान खान की कार्यवाही को कवर करने की अनुमति नहीं है। क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय खान जेल जाने के बाद से अन्य अदालतों में पेश हो रहे हैं, लेकिन कैमरों को उन कार्यवाही को कवर करने की अनुमति नहीं है जो आमतौर पर जेल परिसर के अंदर आयोजित की जाती हैं। खान अपने खिलाफ दर्ज दर्जनों मामलों से लड़ रहे हैं, गुरुवार की उपस्थिति एक मामले के संबंध में थी जो उन्होंने पाकिस्तान के भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों में संशोधन के खिलाफ दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस सप्ताह सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि खान को एक वकील के बजाय खुद का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने के उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए वीडियो लिंक के माध्यम से पेश किया जाए। खान को 2022 में सत्ता से हटा दिया गया था। भूमि भ्रष्टाचार मामले में जमानत दे दी गई, लेकिन चार मामलों में दोषी ठहराए जाने के कारण वह जेल में रहेंगे, जिनमें से दो में सजा निलंबित कर दी गई है।

झड़प का नया वीडियो: भारतीय सैनिकों पर हमला करते दिखे जिनपिंग के पिट्ठू

बीजिंग (एजेंसी)। चीन को फिंगर-4 में हुए संघर्ष के दौरान बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और गाड़ियों/नावों की संख्या का लाभ मिला। इससे चीनी सैनिक संघर्ष वाली जगह पर जल्द पहुंच गए और अपने से कम संख्या में मौजूद भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। चीनी सैनिकों ने पहाड़ी की चोटी से कई भारतीय सैनिकों को धक्का दे दिया और उन पर पत्थर भी फेंके। इस दौरान भारतीय सैनिकों ने भी लाठी-डंडों और पत्थरों से चीनी सैनिकों का मुकाबला किया और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। हालांकि, इस संघर्ष में कई भारतीय सैनिकों को गंभीर चोटें आईं। चीन ने 2020 में लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील के पास भारतीय सेना के साथ हुई झड़प का एक नया वीडियो जारी किया है। इस प्रॉपगैंडा वीडियो में चीनी सैनिकों को भारतीय सैनिकों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो को पैंगोंग त्सो के फिंगर 4 पर फिल्माया गया है। वीडियो में चीनी सैनिकों के मुकाबले भारतीय सैनिकों की संख्या कम दिखाई दे रही है। इसके बावजूद भारतीय सैनिकों ने बहादुरी से चीनी सैनिकों का मुकाबला किया।

वीडियो में चीनी सेना की बोट, गाड़ियां और लाठी-शील्ड से लैस सैनिक दिखाई दे रहे हैं। ये सैनिक एक दूसरे पर पत्थरों से हमला करते नजर आ रहे हैं। पैंगोंग सो लद्दाख में 14 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित एक लंबी, संकरी और गहरी झील है। यह चारों तरफ से जमीन से घिरी हुई है। यह झील रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। दोनों देश लगातार इस झील के आसपास के इलाकों में पेट्रोलिंग करते रहते हैं। 1962 में चीन ने इसी इलाके में भारत पर मुख्य हमला बोला था। पैंगोंग त्सो झील चुशुल अप्रोच के रास्ते में पड़ती है। ऐसे में चीन अगर भविष्य में कभी भारतीय क्षेत्र पर हमले की हिमाकत करता है तो चुशुल अप्रोच का इस्तेमाल करेगा क्योंकि इसका रणनीतिक महत्व है। पैंगोंग सो झील के उत्तर और दक्षिण की तरफ से चीन के आक्रमण की आशंका हमेशा बनी रहती है।पैंगोंग त्सो का दो तिहाई इलाका चीन के कब्जे में है। इस झील के किनारे उंगलियों की शक्ल में आठ पहाड़ियां निकली हुई हैं, इन्हें फिंगर्स के नाम से जाना जाता है। 2020 के पहले तक भारतीय सेना फिंगर-4 से फिंगर-8 तक पेट्रोनिंग करती थी।

युद्ध के बीच चीन पहुंचे पुतिन, जिनपिंग के साथ बैठक में कर सकते हैं बड़ा एलान

बीजिंग। यूक्रेन और रुस के बीच चल रही जंग के दोरान रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन चीन की दो दिवसीय यात्रा पर निकले हैं।चीन के नेता शी जिनपिंग ने गुरुवार को एक आधिकारिक समारोह में पुतिन का स्वागत किया।पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा है।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी चीन यात्रा से दुनिया को रूस-चीन संबंध की प्राथमिकता का संदेश दिया है।उम्मीद की जा रही है कि पुतिन अपने समकक्ष शी जिनपिंग और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।इस बैठक में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने से ठीक पहले 2022 में हस्ताक्षर किए गए नो लिमिट्स पार्टनरशिप के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर चर्चा हो सकती है और कुछ बड़ा एलान भी संभव है।हालांकि, ये यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दो साल से अधिक समय पहले यूक्रेन पर मास्को के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद रूस आर्थिक रूप से चीन पर अधिक निर्भर हो गया है।

भारत चांद पर उतर रहा है और पाकिस्तान गटर में गिरता नजर आ रहा है : पाक सांसद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के सदस्य सैयद मुस्तफा कमाल ने भारत के चंद्रमा लैंडिंग मिशन का जिक्र करते हुए भारत की उपलब्धियों और कराची के खस्ता हालात के बीच तुलना की है। भारत चांद पर, हमारे बच्चे गटर में ..मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) नेता सैयद ने नेशनल असेंबली में दिए एक भाषण में कहा कि जहां भारत चांद पर उतर रहा है, वहीं कराची खुले गटर में गिरकर बच्चों के मारे जाने की खबर बना रहा है।असेंबली में भाषण देते हुए पाक सांसद ने आगे कहा,आज कराची में हालत ये है कि जहां दुनिया चांद पर जा रही है, वहीं कराची में बच्चे गटर में गिरकर मर रहे हैं। उसी स्क्रीन पर खबर आ रही है कि भारत चांद पर उतरा है और ठीक दो सेकेंड बाद खबर यह है कि कराची में खुले गटर में एक बच्चे की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कराची में 70 लाख और पाकिस्तान में 2.6 करोड़ से अधिक बच्चे हैं, जो स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। सैयद ने कहा कि वैसे तो कराची पाकिस्तान का राजस्व इंजन है, लेकिन अब उसे साफ पानी तक नसीब नहीं है। पाक सांसद ने आगे कहा कि अपनी स्थापना के बाद से पाकिस्तान में दो बंदरगाह चालू हैं और दोनों कराची में हैं। कराची पूरे पाकिस्तान, मध्य एशिया से लेकर अफगानिस्तान तक का प्रवेश द्वार हैं। 15 वर्षों से कराची को थोड़ा सा भी ताजा पानी नहीं मिल रहा है, यहां तक कि जो पानी आता है उसे भी टैंकर माफिया जमा कर लेते है और बेचने लगते हैं।वहीं, दूसरी ओर पिछले साल अगस्त में भारत का चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित रूप से पहुंचने वाला देश का पहला अंतरिक्ष यान बन गया। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया।

स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको की हालत गंभीर, भारत से लेकर अमेरिका ने की हमले की निंदा

लंदन (एजेंसी)। बीते रोज स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर एक युवक ने ताबड़तोड़ गोलिया चला दीं। इससे उनके सीने और पेट में गोली लगी है। उनकी हालत गंभीर है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि आरोपी को पकड़ लिया गया है। इधर पूरी दुनिया के कई देशों ने इस घटना को कायरतापूर्ण बताते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरुवार को अपने स्लोवाकिया समकक्ष रॉबर्ट फिको पर हत्या के प्रयास पर दुख व्यक्त किया और इसे कायरतापूर्ण और कायरतापूर्ण कृत्य बताया।एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोलीबारी की खबर से गहरा सदमा पहुंचा। मैं इस कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं और पीएम फिको के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत स्लोवाक गणराज्य के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि वह यह सुनकर स्तब्ध थे कि स्लोवाक के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको बुधवार को एक गोलीबारी की घटना में घायल हो गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सुनक ने लिखा, यह भयानक खबर सुनकर हैरान हूं। हमारी संवेदनाएं प्रधानमंत्री फिको और उनके परिवार के साथ हैं।इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी स्लोवाकिया के राष्ट्रप्रमुख के खिलाफ हिंसा के कृत्य की निंदा करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हमला भयावह है। हम अपने पड़ोसी भागीदार राज्य के सरकार के प्रमुख के खिलाफ हिंसा के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि हिंसा किसी भी देश, रूप या क्षेत्र में आदर्श न बन जाए। हमें पूरी उम्मीद है कि रॉबर्ट फिको जल्द ही ठीक हो जाएंगे और स्लोवाकिया के लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे।

रोमानियाई राष्ट्रपति क्लॉस लोहानिस ने भी स्लोवाक पीएम पर हमले की निंदा की और उनके पूर्ण और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। लोहानिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्लोवाक के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की गोलीबारी के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। मैं उनके पूर्ण एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं ऐसे चरमपंथी कृत्यों की कड़ी निंदा करता हूं, जो हमारे मूल यूरोपीय मूल्यों को खतरे में डालते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी हमले की कड़ी निंदा की और उनके साथ एकजुटता जताई। मैक्रों ने कहा, स्लोवाक प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोली मारने की खबर से स्तब्ध हूं। मैं इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मेरी संवेदना और एकजुटता उनके, उनके परिवार और स्लोवाक लोगों के साथ है।वहीं, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे कायराना हमला करार दिया और कहा कि यूरोप की राजनीति में हिंसा नहीं होनी चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, स्लोवाकिया के चार बार के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको बुधवार (स्थानीय समय) को हैंडलोवा में एक शूटिंग की घटना में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना हैंडलोवा में एक सरकारी बैठक के बाद हुई। घटना के बाद स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्रालय ने रॉबर्ट फिको पर हिंसक हमले की पुष्टि की। हैंडलोवा विशेष रूप से स्लोवाकिया के ट्रेंसिन क्षेत्र में एक खनन शहर है, जहां, सांस्कृतिक घर के बाहर, जहां एक सरकारी बैठक आयोजित की गई थी, शूटर ने पीएम फिको पर गोलीबारी की। इमारत के बाहर अपने समर्थकों के साथ फीको की बातचीत के दौरान कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं और कुछ समय बाद, जब फीको को गोली मारी गई, तो वह जमीन पर गिर गया।

पाकिस्तान में सुखदेव को राष्ट्रीय नायक और स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

-लाहौर हाईकोर्ट के वकीलों ने सुखदेव की 117वीं जयंती मनाई

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा ही भारत विभाजन से पहले के इतिहास को नकारता रहा है, जो दोनों देशों में एक साझी संस्कृति रही है। वहीं पाकिस्तान में ही एक वर्ग ऐसा है, जो भगत सिंह, महाराजा रणजीत सिंह जैसे नायकों को सम्मान देने की मांग करता रहा है। इस बीच लाहौर हाईकोर्ट में सुखदेव की जयंती मनाई गई, जिन्हें भगत सिंह और राजगुरु के साथ ही लाहौर जेल में फांसी दी गई थी। यह कार्यक्रम लाहौर हाईकोर्ट के वकीलों ने आयोजित किया था, जिसमें सुखदेव को याद किया गया। इस दौरान वकीलों ने पाकिस्तान सरकार से मांग की कि सुखदेव को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें राष्ट्रीय नायक घोषित करना चाहिए।

ये सभी वकील भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन से जुड़े हैं, जिसका गठन शहीदों की याद में किया गया था। हाईकोर्ट के वकीलों ने बुधवार को सुखदेव की 117वीं जयंती के मौके पर लाहौर हाईकोर्ट परिसर में केक काटकर सुखदेव की जयंती मनाई। इस मौके पर एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें मांग की गई कि सुखदेव के नाम पर लाहौर में एक सड़क बनाई जानी चाहिए। इसके अलावा सुखदेव के नाम पर डाक टिकट और स्कूली किताबों में उन पर एक चैप्टर शामिल किया जाना चाहिए।

सुखदेव का जन्म 15 मई, 1907 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था। भगत सिंह फाउंडेशन के चेयरमैन इम्तियाज रशीद कुरैशी ने कहा कि हम लोग इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और पुण्यतिथि को मनाते हैं। हमारी पाकिस्तान सरकार से मांग है कि इन लोगों के बलिदानों को समझते हुए उन्हें राष्ट्रीय नायक घोषित किया जाए।

बता दें कि 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को लाहौर में फांसी दी गई थी। आज भी भगत सिंह के नाम पर लाहौर में स्मारक है। भगत सिंह को पहले उम्रकैद की सजा मिली थी, लेकिन फिर साजिश के तहत उसे फांसी में बदल दिया गया था। भगत सिंह का सम्मान भारत में ही नहीं पाकिस्तान में किया जाता है। भगत सिंह फाउंडेशन ने पीएम शहबाज शरीफ से मांग की कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को राष्ट्रीय नायक घोषित किया जाए।

संपादकीय

गुरु का महत्व: संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

इस संसार में जब भी हम कोई विषय सीखना चाहते हैं, तो हम ऐसे इंसान के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो और हमें भी वो विषय पढ़ा सकता हो। इसी प्रकार एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होता है, और यदि हम अपना आध्यात्मिक विकास करना चाहते हैं, तो हमें सत्गुरु के पास जाना होता है। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवश्य मौजूद होते हैं, जो हमें अपने अंतर में मौजूद प्रभु-सत्ता के साथ जुड़ने में मदद करते हैं। प्रत्येक युग में ऐसे संत-महापुरुष आते हैं जो हमारी आत्मा को आंतरिक यात्रा पर ले जाने में समर्थ होते हैं।

संत-मत के महापुरुषों ने हमें यही बताया है कि प्रभु की सत्ता किसी न किसी मानव शरीर के माध्यम से कार्य करती है। मनुष्य दूसरे मनुष्य से ही सीखता है। संत-महापुरुष इस दुनिया में इसलिए आते हैं ताकि हमारे स्तर पर आकर हमसे बातचीत कर सकें, आंतरिक अनुभव पाने की विधि के बारे में हमारी भाषा में हमें समझाएँ, तथा व्यक्तिगत स्तर पर हमें उसका अनुभव भी दे सकें। केवल बातें करने से या पढ़ने से हम अध्यात्म नहीं सीख सकते। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव से ही सीखा जा सकता है, और वो अनुभव हमें केवल एक पूर्ण सत्गुरु ही प्रदान कर सकता है।

नामदान के बाद सत्गुरु हर क्षण शिष्य के साथ रहते हैं और उसे हर प्रकार से सुरक्षित रखते हैं। सत्गुरु का संरक्षण शिष्य के साथ न केवल इस दुनिया में रहता है, बल्कि इससे आगे भी बना रहता है। सत्गुरु शिष्य के कर्मों के भार को अपने ऊपर ले लेते हैं, और हमेशा उसके अंग-संग बने रहते हैं। जब शिष्य के जीवन का अंत होता है, तब भी वे उसके साथ होते हैं और आगे के मंडलों में भी उसके मार्गदर्शक बनते हैं। इस वक़्त सत्गुरु हमारे अंतर में प्रकट होते हैं और हमें प्रेम से गले लगा कर रोशनी के मध्य में ले जाते हैं।

सत्गुरु दया से भरपूर होते हैं; वे हमें तकलीफ में नहीं देख सकते। सत्गुरु हमें कर्मों के कीचड़ से दूर रहने की शिक्षा देने के लिए इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम कर्मों के चक्र से बाहर निकलें, जिसमें उलझकर हम बार-बार इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम अपने सच्चे पिता के घर वापस लौटें, जहाँ किसी प्रकार की तकलीफ या मृत्यु नहीं है। हमारे जीवनकाल के दौरान भी सत्गुरु हमें कई प्रकार के खतरों से बचाते हैं। हम उनके द्वारा दी गई हर मदद से अवगत भी नहीं होते। हमारी हर तरह से मदद करने के लिए सत्गुरु सदा हमारे अंग-संग रहते हैं, जब तक कि हम परमात्मा में जाकर लीन नहीं हो जाते। एक बार जब हमें पूर्ण सत्गुरु के द्वारा नामदान मिल जाता है, तो वे हमारे दिव्य-चक्षु या तीसरे नेत्र पर विराजमान हो जाते हैं और फिर जीवन के प्रत्येक पहलू में हमें सहायता प्रदान करते हैं।

सत्गुरु हमारे सच्चे नि:स्वार्थ सहाई होते हैं, और हमारी मदद करने के बदले में अपने लिए कोई भी ईनाम, या किसी भी प्रकार का नाम या यश नहीं चाहते। वे हमारी मदद करते हैं क्योंकि वे हमसे प्रेम करते हैं और उनका अपना हृदय प्रभु-प्रेम से भरपूर होता है।

आज का राशीफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ — आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह — पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु — संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग

रोकथाम की पूर्व तैयारी से थमेगी वनों की आग

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व उच्च रक्तचाप दिवस, 17 मई 2024 पर विशेष)

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है।' वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें', इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है।

नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्त्वाकांक्षी युवा-वर्ग के सामने प्रतिस्पर्धाओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी-नयी स्पर्धाओं का चुनौति भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये-नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल-प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बढ़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़-खाबड़, टेढ़ा-मेढ़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते-बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस उच्च रक्तचाप की रोकथाम और नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें नियमित व्यायाम करना, स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार खाना, तंबाकू, अत्यधिक शराब और धूम्रपान से बचना शामिल है। जीवनशैली में ये बदलाव उच्च रक्तचाप और इसकी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अन्तरसंबंध होता है। हमारे विचार, हमारे सोच को प्रभावित करते हैं और सोच से आदत बदलती है। इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करना चाहिए। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का एक प्रमुख संदेश नियमित रक्तचाप की निगरानी का महत्व है। उच्च रक्तचाप को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह गंभीर जटिलताएं पैदा न कर दे। नियमित रक्तचाप जांच से उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा बताई गई दवाएं लेना भी शामिल है। चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति ने मनुष्य को इस जीवनघाती व्याधि से बचाने में कल्पनातीत सहयोग दिया है। रोग-निदान करने वाले अति संवेदी सूक्ष्म उपकरण, औषध-विज्ञान और सफल शल्य-क्रिया-ये सब किसी मृत्युंजयी तत्व से कम नहीं हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उच्च रक्तचाप जैसी जानलेवा बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण के बाहर है। जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे आम-आदमी के लिए अलभ्य हैं। इस महंगी चिकित्सा-सेवा के द्वारा संपन्न व्यक्ति भले ही मृत्यु के निमंत्रण को एक अवधि तक टाल दें, किंतु गरीबों की दयनीय दशा की कल्पना कौन कर सकता है? मियामी विश्वविद्यालय अमेरिका के वैज्ञानिकों/डॉक्टरों ने अपनी संयुक्त विज्ञप्ति में अपील की है कि मानसिक तनावों को अपने पर हावी न होने दें। इस संबंध में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के तौर-तरीके सिखाने चाहिए। उनका मानना है कि निरंतर तनाव-ग्रस्त रहने और भोजन में चिकने पदार्थों का अधिक सेवन करने वालों पर हाई ब्लड प्रेशर का आक्रमण आसानी से हो जाता है। तनाव मुक्त रहने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति सुरक्षित रहती है। तमाम तरह के शोध इस बात का खुलासा करते रहे हैं कि ऐसे डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों में शुगर, फैट और नमक की मात्रा काफी अधिक होती है, जबकि फाइबर व अन्य पोषक तत्व कम होते हैं। इसीलिए प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं उच्च रक्तचाप से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा देती हैं। लोग बेपरवाह होकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। खास तौर से नई पीढ़ी को ऐसी खाद्य वस्तुएं अधिक लुभा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस की ओर से जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का प्रसंस्कृत खाद्य बाजार 2011 से 2021 तक 13.37 फीसदी की सालाना दर से बढ़ा है। हालांकि कोविड-19 महामारी के दौरान इस क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 5.50 प्रतिशत रह गई थी, लेकिन यह अस्थायी दौर था। इसके बाद फिर इनकी उपलब्धता सहज होने लगी। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में नियंत्रित परीक्षणों से पता चलता है कि पूरक पोटेशियम, फाइबर, एन-3 फैटी एसिड और फलों और सब्जियों से भरपूर और कम संतृप्त वसा वाले आहार से रक्तचाप में कमी आती है। कुछ जनसंख्या अध्ययन आहार प्रोटीन और रक्तचाप के स्तर के बीच विपरीत संबंध दिखाते हैं। नियमित रूप से कॉफी पीने से उच्च रक्तचाप के रोगियों में रक्तचाप बढ़ जाता है। 'तनाव' की भूमिका रहस्यमय बनी हुई है, 'नौकरी का तनाव' एवं 'पारिवारिक तनाव' उच्च रक्तचाप के लिए एक संभावित स्वतंत्र जोखिम कारक है। चिंता इस बात की है कि खतरनाक बन रही खाद्य वस्तुओं को बाजार से हटाने का भारत में मजबूत तंत्र नहीं है। यहां तक कि शराब और धूम्रपान जैसे नशे की चीजों को नियंत्रित करने के लिए भी कोई ठोस नीति नहीं है। असल में उच्च रक्तचाप को लेकर सरकारी स्तर पर कोई चिंतन एवं चिन्ता भी नजर नहीं आती। यह बात सही है कि केंद्र और राज्य की सरकारों ने लोगों के पोषक आहार के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं, लेकिन बाजार में बिक रही उच्च रक्तचाप के लिए नुकसानदेह वस्तुओं पर लगाम लगाने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लुभाने वाले विज्ञापन इन उत्पादों को बढ़ावा दे रहे हैं। लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ की किसी को इजाजत नहीं दी जा सकती। जरूरी है कि सरकार नुकसानदायक खाद्य पदार्थों को लेकर सख्त विज्ञापन और विपणन नीति तो बनाए ही, इसे सख्ती से लागू भी करे।

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

(लेखक-ललित गर्ग)

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है। भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दर्शाता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं। भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है। दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे। विदेशों से धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था। बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा। जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी आईओएम की अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं। बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिये ठोस प्रयासों की जरूरत है। किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय कामगारों के लिये सुरक्षित व व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। हमारा नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए। जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके। सरकार कामगारों को विदेश भेजने की पहल में काफी सक्रिय दिख रही है। कम से कम दो जरूरी बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए। पहला, जिन कामगारों की बात की जा रही है वे ज्यादा पढ़े-लिखे या कुशल नहीं हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि इन लोगों का चयन पारदर्शी तरीके से हो।

विचार मंथन

रिश्ते-रिश्ते नहीं रहे, पति-पत्नी के रिश्ते गिव एंड टेक की तरह

(लेखक- सनत जैन)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में दहेज उत्पीड़न के मामले में एक फैसला सुनाया है। फैसले में हाईकोर्ट ने कहा है कि विवाह के समय जो दहेज मिला है, वह वर पक्ष द्वारा लड़की को स्त्री-धन के रूप में दिया गया है। शादी में वर और वधू पक्ष से जो उपहार मिले हैं, उस सबकी सूची बनाएं। दूल्हा-दुल्हन दोनों के हस्ताक्षर करायें। दोनों परिवारों के प्रमुख सदस्य उस सूची पर हस्ताक्षर करें। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा, कि दहेज और उपहार में अंतर है। वर और वधु को मिलने वाले उपहार को दहेज नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि दहेज कानून की धारा 3 में दहेज लेना और देना दोनों ही दंडनीय अपराध है। उपधारा (2) में शादी में मिले उपहार की सूची बनाने की व्यवस्था है। दहेज के किसी भी मामले में विवाद होने पर सत्यापन किया जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि सूची होने से इस तरह के विवादों से निपटने में सभी पक्षों को मदद मिलेगी। झूठे मामले, पुलिस और अदालत तक नहीं जाएंगे। विवाद का विषय कोई और होता है। दहेज का मामला बनाकर एक पक्ष को प्रताड़ित करने के मामले सामने आ रहे हैं। जब तक दहेज उन्मूलन कानून प्रचलन में नहीं आया था तब तक इस तरह के मामले सामने नहीं आते थे। पति-पत्नी के रिश्ते तलाक होने की नौबत तक नहीं पहुंचते थे। पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। समाज और परिवार के लोग मिलकर उसे सुलझा देते थे। लेकिन अब पति-पत्नी के रिश्ते, वह रिश्ते नहीं रहे, जिन्हें अंतरंग रिश्ता कहा जा सके। अधिकांश मामले में गिव एंड टेक की तरह पति-पत्नी के रिश्ते बन गए हैं। जो चाहा वह नहीं मिला, तो विवाद की स्थिति पैदा होती है। विवाद होने पर तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बन जाते हैं। पति-पत्नी को तो इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। इसके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी लपेट लिए जाते हैं। भारत में तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पति-पत्नी के रिश्ते भी अब लेन-देन पर आधारित हो गए हैं। भारत में चार-पांच दशक पहले हिंदू समाज में तलाक का कोई मामला देखने में नहीं आता था। हिंदू समाज में तलाक को बहुत बुरा माना जाता था। शादी के बाद पति-पत्नी एक दूसरे को जीवन भर एडजस्ट करते थे। सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था में सबसे क्लोज और मजबूत रिलेशन पति-पत्नी का ही माना जाता है, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में बंधने के बाद भी दोनों के बीच कोई आत्मीयता नहीं होती है। दोनों की आपस में किसी बात को लेकर कोई सामजस्य नहीं बन पाता है। तो एक दूसरे के साथ शारीरिक संबंध होने के बाद भी मानसिक रूप से जुड़ाव नहीं हो पाता है। दोनों रिश्ते को तोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। भारत में जब से संयुक्त परिवार की परंपरा टूटना शुरू हुई है। परिवार के सदस्य अपना कैरियर और व्यापार के लिए संयुक्त परिवार से अलग होकर स्वयं का व्यापार या करियर बनाने लगे हैं। अब तो निजी जीवन में कोई भी एक-दूसरे का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण पति-पत्नी के रिश्ते टूटने की समस्या बढ़ती चली जा रही है। पारिवारिक रिश्ते भी अब आर्थिक रूप से एक दूसरे को जोड़कर रखते हैं। रिश्तों का आधार ही आर्थिक और स्वच्छंदता का हो गया है। पुरुष और महिलाओं की शिक्षा और बराबरी की होड़ में कोई किसी के साथ समझौता करके रहना नहीं चाहता है। स्वतंत्र अस्तित्व के कारण पति-पत्नी के रिश्ते भी अब बहुत कमजोर हो गए हैं। जब दोनों के रिश्ते टूटते हैं, तो उसमें आर्थिक आधार और निजी स्वतंत्रता ही सबसे बड़ा कारण होता है। निजी हितों के लिए, ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए दहेज एवं तलाक कानूनों का दुरुपयोग हो रहा है। पति-पत्नी के तलाक का असर पूरे परिवार और बच्चों पर पड़ रहा है। लोग शादी करने से डरने लगे हैं। जिसके कारण अवैध संबंधों की भी बाढ़ आ रही है। ऐसी स्थिति में सावधानी बरतना बहुत जरूरी हो गया है। सही मायने में पार्टनरशिप एक्ट की तरह शादी के लिए भी एक एक्ट बनना चाहिए। जिसमें दोनों ही पक्ष अपनी शर्तों के साथ पति-पत्नी के रिश्ते को स्वीकार करें। शर्तों का पालन नहीं करने पर यदि तलाक की नौबत आती है तो ऐसी स्थिति में छोड़-छुट्टी की शर्तें भी शादी के पहले ही तय होनी चाहिए। ताकि पति-पत्नी के रिश्ते और परिवार के रिश्ते सुरक्षित रहें। रिश्ते में कोई दुश्मनी का भाव नहीं आए। इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला इस तरह के विवादों में ज्यादा पारदर्शिता लाने, पति-पत्नी के बीच झगडे कम हों, कानून का दुरुपयोग ना हो, रिश्ते भी रिश्ते की तरह हमेशा बने रहें। इस दिशा में एक शुरुआती कदम माना जा सकता है।

उम्रदराज लोगों को होता है ऑस्टियोपोरोसिस

अक्सर उम्रदराज लोगों को आपने जोड़ों के दर्द की शिकायत करते सुना होगा, हड्डियों में तकलीफ की समस्या भी आम होती है। वृद्धों की इस आम समस्या को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। इस बीमारी के रोगियों में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) प्राप्त महिलाओं और उम्रदराज लोगों की संख्या ही ज्यादा होती है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग दस करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। केवल भारत में इसके रोगियों की संख्या लगभग छह करोड़ दस लाख है, जिसमें 60-70 प्रतिशत महिलाएं हैं। पुरुषों को इस रोग का खतरा चालीस वर्ष की उम्र से तो महिलाओं को लगभग पैंतीस वर्ष की उम्र से होता है।

इस बीमारी में हड्डियां भुरभरी हो जाती हैं। साथ ही हड्डियों के ऊतकों का घनत्व कम हो जाता है, इस कारण किसी भी झटके से उनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्र का बढ़ना और कैल्शियम की कमी ऑस्टियोपोरोसिस को आमंत्रित करने वाले मुख्य कारण हैं। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं और उनके टूटने की दर बढ़ जाती है। रजोनिवृति के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हारमोन की कमी के कारण इस रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

नीचे झुकने या सामान्य अवस्था में कमर दर्द होना और झुकने से कद कम होना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीमारी से अक्सर रीढ़ की हड्डी में भी विकृति आ जाती है, अतः रीढ़ की हड्डी में थोड़े से भी परिवर्तन को हल्के तौर पर ना लें। रोजमर्रा के काम जैसे कुछ चीज उठाने के लिए नीचे झुकने, बिस्तर बिछाने के लिए नीचे झुकने या किसी हल्के झटके जैसे बस या आटो रिक्शा की पिछली सीट पर लगे झटके से हड्डियों में बार-बार होने वाला फ्रैक्चर भी ऑस्टियोपोरोसिस की निशानी है।

यों तो सम्पूर्ण शरीर की हड्डियां इससे प्रभावित होती हैं। परन्तु सामान्य रूप से कूल्हे, कलाई और रीढ़ की हड्डियां ही इस रोग की मुख्य शिकार होती हैं। इसके परिणाम इस कदर भयंकर हो सकते हैं कि रीढ़ की हड्डी टूटने से कंधे झुक सकते हैं और कद छह इंच तक कम हो सकता है। कूल्हे का फ्रैक्चर होने की स्थित मिं अक्सर शल्य चिकित्सा के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। ऐसे रोगियों के अध्ययनों से यह निष्कर्ष सामने आया है कि कूल्हे के फ्रैक्चर वाले लगभग पचास प्रतिशत रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाते, वे सदा के लिए ही बिस्तर से बंध जाते हैं।

इस बीमारी का पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है विशेषकर महिलाओं में आसानी से इसका पता लग सकता है। वैसे तो बोन डेनसिटीमीटर से कुछ ही पलों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है, पर एक साधारण से रिस्ट टेस्ट के द्वारा इस रोग का घर बैठे ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ साधारण प्रश्न आप खुद से पूछ सकती हैं, जिससे पता चला सकता है कि आपको यह बीमारी होने की आशंका है कि नहीं।

- क्या आप एक रजोनिवृत्त महिला हैं और क्या आपको पैंतालीस वर्ष की आयु से पहले ही रजोनिवृत्ति हो गई थी?
- क्या आप शारीरिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं?
- क्या आप अपने आहार में कैल्शियमयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दूध से बनी चीजें कम लेती हैं?
- क्या आपकी या परिवार के किसी नजदीकी सदस्य की हड्डी किसी हल्के से झटके से टूटी है?
- क्या आप दमा या आर्थराइटिस के लिए कोर्टिकोस्टिरॉटड दवा छह महीने से ले रही हैं?

ऊपर लिखे प्रश्नों में से यदि एक प्रश्न का भी उत्तर हां है तो आपको ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो सकती है, ऐसे में तुरंत डॉक्टरी सलाह लेना उचित रहेगा।

ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड बोन डेन्सिटोमीटर टेस्ट का सहारा लेते हैं। इससे अस्थियों में नुकसान की दर, फ्रैक्चर होने की संभावनाओं, इलाज के प्रभावों आदि की जानकारी मिल जाती है। इसमें एल्कोहल में भीगी रूई से टखनों के किनारों को साफ करके पैर को एक रेडिएशन फ्री मशीन के भीतर रखना होता है। मशीन में पैर फिट होने के बाद रीडिंग ली जाती है और दो मिनट में ही परीक्षण की रिपोर्ट सामने आ जाती है। जांच से पहले सामान्य खाना ही खाएं, इस बात का ध्यान रखें कि इस परीक्षण के चौबीस घंटे पहले कैल्शियम की खुराक न लें। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परीक्षण से सात दिन पहले तक कोई बेरियम-स्टडी रेडियो आइसोटोप इंजेक्शन अथवा सीटी अथवा एम.आर.आई परीक्षण के लिए ओरल या आई.वी कान्ट्रास्ट न लिया गया हो।

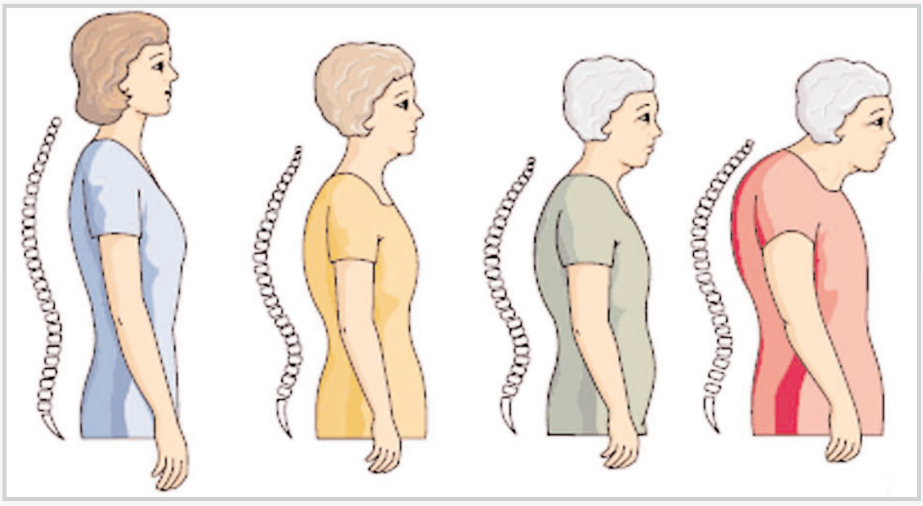

कुछ आसान से छोटे-छोटे व्यायाम भी आपको इस बीमारी से बचा सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- फर्श पर लेट जाएं। दोनों हाथों को पेट पर रखकर घुटनों को 90 डिग्री के कोण में मोड़ें। अब कंधों को जमीन से सटाकर रखें और सिर को ऊंचा उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे ले जाएं। इसे दस-पन्द्रह बार दोहराना चाहिए।
- पेट के नीचे तकिया रखकर फर्श पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथ नितम्बों पर रखें। अब सिर को फर्श तक झुकाएं और फिर जितना उठा सकें उठाएं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति दस से पन्द्रह बार करें।
- कुर्सी पर कुछ इस प्रकार बैठें कि आपकी पीठ कुर्सी से सटी हो। सिर के पीछे दोनों हाथों को क्रास करें। कोहनियों की पीछे की ओर खींचते हुए लंबी सांस लें और सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। ऐसा दस-पन्द्रह बार करें।
- हाथों और घुटनों के बल झुकें। एक घुटने को कमर की ऊंचाई तक ले जाएं फिर वापस पूर्व स्थिति में ले आंए। दूसरे पैर से यही व्यायाम करें। इस क्रिया को भी दस से पन्द्रह बार दोहराना उचित रहेगा।
- फर्श पर सीधे लेटें और दोनों हाथ पेट पर रखें। अब पैरों को फर्श से लगभग एक इंच ऊपर उठाएं इसमें ध्यान रखें कि घुटने आपस में जुड़े हों। इस स्थित मिं कुछ सेकेण्ड रुकने के बाद पैरों को नीचे ले आएं। ऐसे पांच से दस बार करें।
- कुर्सी पर पीठ लगाकर सीधे बैठें। बाहों को किनारे पर टिकाएं और पैरों को फर्श पर सीधे रखे। फिर अपने कंधों को पीछे की ओर धकेलने का प्रयास करे और फिर पहली वाली अवस्था में वापस आ जाएं। इसे भी दस या पन्द्रह बार दोहराएं।

एक अहम बात यह है कि इन व्यायामों को करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

जहां तक खान-पान का प्रश्न है, सदैव ऐसा संतुलित आहार जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम हो, इसके साथ ही फल जैसे नाशपाती, केला, अमरूद औरे अंजीर आदि भी लें। दालें, बादाम, अखरोट, टमाटर, मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, पत्तागोभी, मेथी, मछली और ऑयस्टर मांस की पर्याप्त मात्रा भी भोजन में शामिल की जानी चाहिए।

कैफीन और एल्कोहल से बचना फायदेमंद होता है। सिगरेट से बचना भी जरूरी है क्योंकि यह एक्ट्रोजन के स्तर को कम करती है और महिलाओं में रजोनिवृति के समय हड्डियों के घनत्व पर बुरा असर डालती है। कार्बोनेटिक पेय और सोड़ा आदि भी न लें क्योंकि इसमें उपस्थित फास्फोरस आपके शरीर में उपस्थित कैल्शियम की अतिरिक्त मात्रा में कमी कर सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है हर सांतवे से दसवें वर्ष में पुरानी हड्डियों का स्थान नई हड्डियां ले लेती हैं। बड़े होने पर मजबूत हड्डियां हों इसलिए बचपन से भी हड्डियों की मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है।

एक अनानास
करे कई बीमारियों का नाश

अनानास का नाम सुनते ही बच्चे हों या बड़े इसे खाने से कतराते हैं। देखने में खूबसूरत लगने वाला यह फल खाने में उतना ही खट्टा और एसिडिक होता है। मगर अनानास जूस से भरा बेहतरीन फल है। इसका ट्रापिकल फ्लेवर मीठे और खट्टे दोनों को सही बैलेंस करता है। गर्मी हो या सर्दी यह कभी भी खाया जा सकता है। मगर ज्यादातर लोग इसे गर्मी में खाना पसंद करते हैं। इसे नमक और चाट मसाले के साथ खाएं, तो यह स्वादिष्ट लगता है।

अनानास में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। जैसे विटामिन ए और सी। कैल्शियम, पोटाशियम और फास्फोरस भी इसमे मौजूद होता हैं। फाइबर से युक्त और फैट व कोलेस्ट्राल बहुत कम होने के कारण सेहत के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों के लिए एक बेहतरीन फल है।

कफ और कोल्ड के वायरस से लड़ने के लिए इसमें विटामिन सी की सही मात्रा होती है। इसमें ब्रोमेलेन नामक पदार्थ होता है जो खांसी रोकने में मददगार है।

इसमें पाया जाने वाला मैग्नीज हड्डियों और उत्तकों को मजबूत बनाएं रखने में मददगार होता है। अनानास के लगातार सेवन से आपके मसूढ़े स्वस्थ और मजबूत रहते हैं।

अनानास मैकुलर डिजेनेरेशन से भी बचाता है। मैकुलर डिजेनेरेशन के कारण ही विजन लॉस होता है और रेटिना डैमेज होता है। इससे व्यक्ति अंधा हो सकता है। मगर अनानास में मौजूद बीटा कैरोटीन इस खतरे को तीस प्रतिशत तक कम करने में मददगार होता है।

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए अनानास का सेवन सबसे फायदेमंद है। यह पाचन क्रिया को दुरूस्त बनाने में मदद करता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन इसके रस को न्यूट्रल करता है जिस कारण यह ज्यादा एसिडिक नहीं हो पाता।

यह पैनक्रियाज से बनाने वाले रस को भी नियंत्रित करता हैं जो पाचन क्रिया में आगे मददगार होते हैं। पैनक्रियाज में नियंत्रण के कारण हम डायबिटीज जैसी बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में च्यूइंग गम! खतरनाक

प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम ज्यादा खाने से बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस बीमारी में उसकी बॉडी तो नॉर्मल होगी लेकिन उसके हाथ-पैर छोटे बच्चे की तरह ही छोटे रहते हैं। कई बार पेशंट के पैरों में इतनी भी जान नहीं होती कि वह अपने पैरों पर खड़ा रह सके। इस बीमारी को भुगत रहे इराक के 46 साल के हुसैन अली राधी को जब हार्ट की बीमारी हुई तो उनके देश के डॉक्टर उनका इलाज करने के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन दिल्ली के डॉक्टरों ने विश्व में पहली बार ऐसे पेशंट की एंजियोप्लास्टी करके तीन स्टेंट लगाने में कामयाबी हासिल की। इलाज के बाद हुसैन अब अपने देश जाने की तैयारी में हैं।

हाथ-पैर छोटे

मैक्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेका कुमार ने बताया कि हुसैन एक जनेटिक बीमारी के शिकार हैं, जिस वजह से उनके हाथ और पैर छोटे बच्चे की ही तरह हैं यानी हाथ और पैरों की ग्रोथ नहीं हो पाई है, जबकि बाकी पार्ट्स सामान्य इंसान की तरह हैं। इस बीमारी को सील सिड्रोम कहा जाता है। अमूमन हर 25 हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी होती है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे का कद छोटा हो जाता है, लेकिन कई बार हाथ पैर में इतनी भी जान नहीं होती वह कुछ उठा सके या चल सके। ऐसे लोग पूरी जिंदगी वील चेयर पर ही होते हैं। हुसैन भी इसी तरह अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

हार्ट में 3 ब्लॉकेज

डॉक्टर कुमार ने बताया कि हुसैन के हार्ट में तीन ब्लॉकेज पाए गए थे। वह इराक के कई अस्पताल गए लेकिन कोई भी डॉक्टर इलाज करने को तैयार नहीं हुआ क्योंकि हाथ-पैर छोटे होने की वजह से एंजियोप्लास्टी के लिए नस का साइज छोटा पड़ रहा था। आखिरकार वह दिल्ली पहुंचे। डॉक्टर ने बताया, पहले हमने बाइपास सर्जरी का प्लान किया था लेकिन उनके साइज को देखकर टाल दिया गया। पैर की नस से हार्ट तक पहुंचना भी मुश्किल था, इसलिए हाथ के जरिए उनके हार्ट में पहुंचा गया। यह मुश्किल प्रॉसिजर था, लेकिन सफल रहा।

बचें च्यूइंग गम से

डॉक्टर विवेका कुमार का कहना है कि जो महिलाएं गर्भ के दौरान च्यूइंग गम या पेन किलर ज्यादा खाती हैं, उनके बच्चे में ऐसी बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। डॉक्टर कुमार के मुताबिक, ऐसे पदार्थ में टेराटोजेनिक होता है, जो एंब्रियो को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही पदार्थ पेन किलर थैलीडोमाइड में भी पाया जाता है, जिसे अब बैन कर दिया गया है। इसकी वजह से जैनेटिक डिसऑर्डर होता है और बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य पर 'हार्ड' होते 'सॉफ्ट' ड्रिंक्स के खतरे

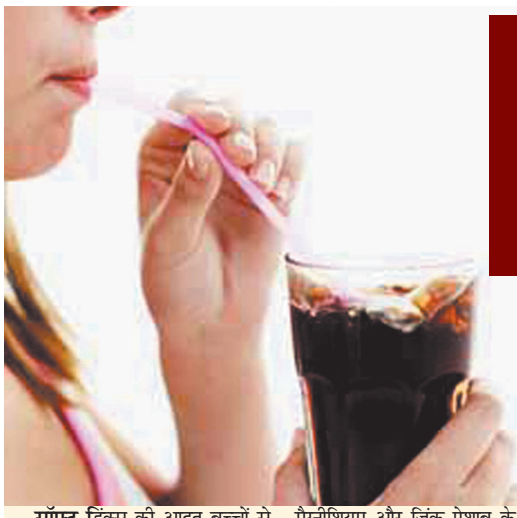

सॉफ्ट ड्रिंक्स की आदत बच्चों से लेकर बूढ़ों तक को है। मौसम चाहे जो हो, इनके दीवाने इन्हें पीकर ही अपनी तलब मिटाते हैं। इससे क्षणिक तौर पर भले ही उन्हें अच्छा महसूस होता हो, पर दीर्घकालिक दृष्टि से ये सेहत के दुश्मन साबित होते हैं। एक दैनिक में छपी रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते ही तत्काल उसका प्रभाव शुरू हो जाता है। 20 मिनट में ही ब्लड शूगर का स्तर बहुत हाई हो जाता है। 40 मिनट बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन शरीर में समा जाती है जो ब्लड प्रैशर को बढ़ा देती है।

इसके कुछ ही समय बाद शरीर में डोपमाइन नामक कैमिकल बनता है जो एक तरह का नशा पैदा करता है। धीरे-धीरे सॉफ्ट ड्रिंक्स एडिक्शन हो जाती है। इसके 15 मिनट बाद शरीर के लिए महत्वपूर्ण कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। डीहाइड्रेशन की वजह से थकान महसूस होने लगती है। यदि कोई व्यक्ति 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक्स की बोतल का सेवन करता है तो उसमें इतनी अधिक शक्कर होती है जो एक वयस्क आदमी की दिन भर की जरूरत से अधिक होती है।

फोर्टिस हॉस्पिटल की डा. नीलू तलवार के अनुसार सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैरेमल शरीर को इंसुलिन विरोधी बना देता है।

इम्पीरियल कालेज लंदन की शोध के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स की हर 350 मिलीलीटर की बोतल के सेवन के साथ टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है।

अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन की शोध के अनुसार दुनिया में हर साल 1 लाख 80 हजार लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स की वजह से मरते हैं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मेलमैन स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ ने अपने अध्ययन में पाया कि शीतल पेयों में पाया जाने वाला सोडा बच्चों में आक्रामकता, विरक्ति और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याएं पैदा करता है। नियमित रूप से शीतल पेय पीने वाले बच्चे ज्यादा लड़ाई-झगड़ा करते हैं और जल्दी असंयमित हो जाते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक्स में पोषक तत्वों का नितांत अभाव रहता है। इसमें विटामिन तथा खनिज लवण आदि नहीं होते।

सॉफ्ट ड्रिंक्स की अम्लीयता अधिक होती है जो हमारे दांतों और हड्डियों को गलाने में सक्षम है। हड्डियां गलने लगती हैं और इनका कैल्शियम धमनियों, शिराओं या अंगों में जमा होने लगता है। गुर्दे में जमा होकर यह पथरी का कारण बनता है। आम तौर पर लोग भोजन करने के बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। पेट में उपस्थित पाचक एंजाइमों की कार्यक्षमता 37 डिग्री सैल्सियस तापमान पर सर्वाधिक होती है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक्स का तापमान इससे बहुत कम, जीरो डिग्री तक होता है। इस वजह से पाचक रस काम नहीं कर पाते और भोजन अपचा रह जाता है।

ऐसी स्थिति में उसका फर्मैंटेशन शुरू हो जाता है जिससे गैसें एवं विषैले पदार्थ बनने लगते हैं। आंतें इन्हें सोखकर रक्त में पहुंचा देती हैं और रक्त के साथ शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंचकर ये कई प्रकार के रोग पैदा करते हैं। कार्बनडाइआक्साइड शरीर को काफी नुक्सान पहुंचाती है। कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक छात्र एक प्रतियोगिता में सॉफ्ट ड्रिंक्स की आठ बोतलें एक साथ पी गया था जिससे उसकी मृत्यु हो गई। डाक्टरों ने मृत्यु का कारण उसके रक्त में कार्बनडाइआक्साइड की अत्यधिक मात्रा होना बताया था।

कुछ लोगों को कैमिकल, रंग और सुगंध आदि से एलर्जी होती है। ऐसे में सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद रसायन, रंग सुगंध उनके लिए जानलेवा हो सकती है। इसी प्रकार सॉफ्ट ड्रिंक्स को लम्बे समय तक टिकाऊ या सुरक्षित बनाए रखने के लिए उसमें प्रिजर्वेटिव मिलाए जाते हैं जो निरापद नहीं होते।

कुछ लोग नकली सॉफ्ट ड्रिंक्स बनाने और बेचने का धंधा करते हैं। वे प्रसिद्ध कम्पनियों की खाली बोतलों में नकली या घटिया माल भरकर उपभोक्ता की सेहत और जेब दोनों पर डाका डाल रहे हैं।

गर्मियों में ये 5 तरीके फैट कम करेंगे

फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि हमेशा जबरदस्त ट्रेनिंग और कार्डियो की ही जरूरत हो। रेग्युलर आउटडोर ऐक्टिविटीज भी एक्स्ट्रा कैलरी कम कर सकती हैं। गर्मियों में आप कुछ ऐसी मजेदार ऐक्टिविटीज अपना सकते हैं जिनके जरिए कैलरी कम की जा सके। जानिए ऐसी पांच गतिविधियां-

स्विमिंग- स्विमिंग पूल में हल्का फुल्का स्विम करना भी आपके स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। अगर आप ठीक-ठाक समय तक स्विमिंग करते हैं तो कैलरी बर्न होती ही है लेकिन यदि हल्की-फुल्की करें तो भी एक हद तक कैलरी बर्न की जा सकती हैं। बस ये ध्यान रखें कि स्लो पेज पर स्विम करें।

साइकलिंग- साइकलिंग के नाम से बचपन याद आ जाता है। कितना अच्छा हो यदि आप इन गर्मियों में अपने बचपन को याद करते हुए थोड़ी बहुत साइकलिंग भी कर लें। इससे एक पंथ दो काज हो जाएंगे.. बचपन की मौज की याद ताजा और अच्छी एक्सरसाइज भी।

वाटर स्पोर्ट्स- गर्मियों में पानी में डुबकी लगाने वाले गेम्स न सिर्फ मजा देते हैं बल्कि आपको कैलरी बर्न करने मे भी मदद करते हैं। वाटर स्कीइंग, वाटर राफ्टिंग जैसे स्पोर्ट्स के जरिए एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करिए।

बैडमिंटन- क्या आपको पता है कि आउटडोर जैसे बैडमिंटन जैसे गेम्स आपको 10 मिनट में 50 कैलरीज से निजात दिला सकते हैं। यह खेल मजेदार तो है ही और इसके लिए आपको कुछ खास तैयारी भी नहीं करनी है। केवल दो रैकेट्स और शटलकॉक्स.. और आप हो गए तैयार।

गार्डनिंग- क्या आप गार्डनिंग का शौक रखते हैं? गर्मी के इस मौसम में अपने गार्डन में कुछ वक्त बिताइए या गार्डन बनाइए। नए प्लांट्स लगाना, उनकी देखभाल करना और मिट्टी आदि से संबंधित जो काम आप करेंगे वह न सिर्फ आपकी कैलरी बर्न करेगा, आपको फ्रेश सब्जियां-फल भी कुछ समय बाद मिलने लगेंगे।

जिंदल स्टील का चौथी तिमाही का मुनाफा 30 प्रतिशत घटा

मुंबई । वित्त वर्ष 2023-24 में जिंदल स्टील का मुनाफा 2,693.48 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,083.83 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय पिछले वित्त वर्ष के 35,823.32 करोड़ रुपये से अधिक यानी 38,731.59 करोड़ रुपये रही। जिंदल स्टेनलेस का मार्च में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का मुनाफा 30 प्रतिशत घटकर 500.65 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 716.29 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 9,509 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 9,803.01 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का खर्च एक साल पहले के 8,885.45 करोड़ रुपये के मुकाबले 8,805.55 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए प्रति इक्विटी शेयर दो रुपये के अंतिम लाभांश की भी सिफारिश की। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 2,693.48 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,083.83 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय पिछले वित्त वर्ष के 35,823.32 करोड़ रुपये से अधिक 38,731.59 करोड़ रुपये रही।

भारती एंटरप्राइजेज से 50 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त करेगा बीआईआरईटी

नई दिल्ली । ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट (बीआईआरईटी) ने भारती एंटरप्राइजेज से चार प्रमुख परिसंपत्तियों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की गुरुवार को घोषणा की। बयान में कहा गया कि वाणिज्यिक संपत्तियों का उद्यम मूल्य करीब 6,000 करोड़ रुपये आंका गया है। इसके साथ ही भारती 8.53 प्रतिशत की स्वामित्व हिस्सेदारी के साथ बीआईआरईटी में दूसरी सबसे बड़ी इकाई धारक बन जाएगी। इसमें कहा गया` कि ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने भारती एंटरप्राइजेज से चार ग्रेड ए परिसंपत्तियों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिग्रहण में 6,000 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर कुल 33 लाख वर्ग फुट की मार्की वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं।

एसबीआई ने एफडी दर 75 आधार अंक तक बढ़ाई

नई दिल्ली । देश के प्रमुख भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चुनिंदा अल्पकालिक परिपक्वता पर सावधि जमा दर 75 आधार अंक तक बढ़ाई है। यह फैसला अन्य ऋणदाताओं द्वारा भी उठाए जाने की संभावना है। एसबीआई की वेबसाइट पर जारी किए गए संशोधित आंकड़े के अनुसार, 46-179 दिन की सावधि जमा (एफडी) के लिए दर 75 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दी गई है, जो पहले 4.75 प्रतिशत थी। अन्य दो परिपक्वता अवधि 180-210 दिन और 211 दिन से लेकर एक वर्ष से कम में 25 आधार अंक की वृद्धि हुई है, जो क्रमशः छह प्रतिशत और 6.25 प्रतिशत है। दो करोड़ रुपये से कम जमा पर नई दरें 15 मई 2024 से प्रभावी हो गई हैं। इसमें कहा गया कि वरिष्ठ नागरिक मानदंडों के अनुसार संशोधित दरों पर अतिरिक्त 50 आधार अंक के पात्र होंगे। एसबीआई ने एक वर्ष से अधिक की अन्य परिपक्वता अवधियों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित रखी हैं। सात दिन से शुरू होकर 210 दिन तक की तीन परिपक्वता अवधि के लिए ब्याज दर 10 से 25 आधार अंक के बीच बढ़ाई गई है। वहीं एक साल से शुरू होकर तीन साल तक की लंबी अवधि की सावधि जमाओं पर 20 आधार अंक से 25 आधार अंक के बीच ऊंची ब्याज दरें होंगी।

अडाणी एनर्जी ने एस्सार की महान-सीपत ट्रांसमिशन संपत्ति का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 1,900 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर एस्सार की महान-सिपत ट्रांसमिशन संपत्तियों का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी बयान के अनुसार शेयर अधिग्रहण जून 2022 में हस्ताक्षरित निश्चित समझौतों के तहत हुआ। बयान में कहा गया कि अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने 1,900 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य के लिए आवश्यक नियामक तथा अन्य अनुमोदन हासिल करने के बाद एस्सार ट्रांसको लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली। इस अधिग्रहण में मध्य प्रदेश में महान को छत्तीसगढ़ में सिपत पूलिंग सबस्टेशन से जोड़ने वाली पूरी तरह से चालू 400 केवी, 673 सर्किट किलोमीटर अंतर-राज्य 'ट्रांसमिशन लाइन' शामिल है। यह परियोजना केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) विनियमित रिटर्न ढांचे के तहत संचालित होती है और 22 सितंबर 2018 को शुरू की गई थी। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अडाणी ट्रांसमिशन स्टेप टू लिमिटेड ने 1,900 करोड़ रुपये में एस्सार ट्रांसको लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

महान-सीपत ट्रांसमिशन नेटवर्क के अधिग्रहण से मध्य भारत में 3,373 सर्किट किलोमीटर की चार परिचालन परिसंपत्तियों के साथ एईएसएल की उपस्थिति मजबूत होगी।

अब श्रीलंका में भी कर सकेंगे यूपीआई से भुगतान

नई दिल्ली ।

फोनपे ने अपने ग्राहकों के लिए नई सर्विस शुरू की है, जिसकी मदद से श्रीलंका जाने वाले भारतीय भी फोनपे ऐप की मदद से आसानी से यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। फोनपे ने लंकापे के साथ साझेदारी करने का ऐलान किया है। इससे कंपनी के यूजर्स को श्रीलंका में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) पेमेंट करने की सुविधा मिलेगी। श्रीलंका की यात्रा करने वाले सैलानियों को ये बहुत फायदा देगा। वो आसानी से फोनपे के जरिए लंकापे के क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इस सर्विस के शुरू होने के बाद फोनपे ग्राहकों को लंकापे क्यूआर कोड को स्कैन करने में मदद मिलेगी और वह सुरक्षित तरीके से तुरंत पेमेंट कर सकेंगे। इसका एक और फायदा होगा कि इसके लिए उन्हें करेंसी एक्सचेंज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन श्रीलंका में ट्रांजेक्शन करने पर रुपए और श्रीलंका करेंसी के बीच की विनिमय दर यानी एक्सचेंज रेट का पेमेंट उन्हें करना होगा। फोनपे के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि फोनपे और लंकापे के सहयोग से भारतीय यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। वे अब यात्रा करते समय और लंका पे क्यूआर का उपयोग करके वहां सर्विसेस और गुड्स के लिए भुगतान कर सकेंगे।

भारत एथिलीन ऑक्साइड टेस्टिंग के लिए सख्त मानक लागू करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

एथिलीन ऑक्साइड एक बहु-उपयोगी रसायन है। इसका इस्तेमाल कीटाणुनाशक, उपकरणों को पूरी तरह से जीवाणुरहित करने और मसालों में मौजूद छोटे जीवों को मारने के लिए किया जाता है। मगर, ज्यादा मात्रा में सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है, यहां तक कि कैंसर का खतरा भी बढ़ा सकता है। इसीलिए, हर देश ने मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा को सीमित करने के लिए अलग-अलग नियम बनाए हैं। भारत भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है और जल्द ही एथिलीन ऑक्साइड टेस्टिंग के लिए सख्त मानक लागू करने की तैयारी में है। भारतीय मसालों की सुरक्षा और क्वालिटी तय करने के लिए मसाला बोर्ड ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह कदम सिंगापुर और हांगकांग द्वारा एवरेस्ट और एमडीएच द्वारा बेचे जा रहे कुछ मसालों की बिक्री पर रोक लगाने के बाद उठाए गए हैं। इन मसालों में एथिलीन ऑक्साइड नामक कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक की मात्रा अधिक थी। अधिकारी ने बताया` कि मसाला बोर्ड ने 130 से अधिक निर्यातकों और संघों के साथ मिलकर काम किया है, जिसमें अखिल भारतीय मसाला निर्यातक मंच और भारतीय मसाला और खाद्य पदार्थ निर्यातक संघ शामिल हैं। इस समस्या का मूल कारण जानने के लिए एक तकनीकी-वैज्ञानिक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने प्रोसेसिंग सुविधाओं का निरीक्षण किया और मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए नमूने भी एकत्र किए। भारत ने हाल ही में दो अहम कदम उठाए हैं। पहला, मसाला निर्यात की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना। सिंगापुर और हांगकांग को भेजे जाने वाले सभी मसालों को अनिवार्य रूप से अवशेषों के लिए परीक्षण किया जाएगा। साथ ही निर्यातकों को एथिलीन ऑक्साइड ट्रीटमेंट के सही तरीके के बारे में फिर से बताया गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 677 अंक, निफ्टी भी 203 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस में खरीदारी में खरीददारी से आई है। इसके अलावा अमेरिकी और एशियाई बाजारों में आये उछाल से भी भारतीय बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 676.69 अंक करीब 0.93 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,663.72 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई निफ्टी भी 203.30 अंक तकरीबन 0.92 फीसदी ऊपर आकर 22,403.85 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मजबूत वैश्विक रुझानों के कारण ही घरेलू बाजार में ये उछाल आया है। अमेरिकी मुद्रास्फीति के कमजोर आंकड़ों से भी बाजार पर प्रभाव आया है। निर्यात बढ़ने से भी व्यापक बाजार में बढ़त आई है। इसी कारण बैंकिंग, आईटी जैसे क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, टाइटन, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि दूसरी ओर मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग लाभ के साथ बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार में गिरावट के साथ कारोबार हुआ है। वॉल स्ट्रीट बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,832.83 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची थी। बेंचमार्क इंडेक्स इस शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के लिए खुले रहेंगे। इसका कारण है कि एनएसई किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के लिए टेस्टिंग करना चाहता है। इस शनिवार को स्पेशल सेशन दो पार्ट में होंगे। पहला स्पेशल सेशन सुबह 9ः15 बजे शुरू होगा और 10 बजे तक चलेगा। वहीं, डिजास्टर रिकवरी साइट से दूसरा सत्र 11ः45 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले

आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले शानदार संकेतों की वजह से घरेलू बाजारों में तेजी आई। सेंसेक्स 306 अंक बढ़कर 73,293 के स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 50 90 अंक बढ़कर 22,300 अंक के करीब 22,290 पर पहुंच गया। टेक एम में 2 फीसदी की तेजी आई और यह सेंसेक्स सूचकांक में टॉर पर रहा। इसके बाद विप्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील का स्थान रहा। वहीं पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, एलएंडटी और एनटीपीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा गिरे। व्यापक बाजारों में, एसएंडपी बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.44 फीसदी और 0.68 फीसदी की बढ़त हुई।

अप्रैल में देश से निर्यात 5 महीने में सबसे कम

- वस्तु आयात 10.25 फीसदी बढ़कर 54.09 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

लाल सागर संकट जैसे भू-राजनीतिक तनाव और जिंसों की कीमतों में नरमी से इस साल अप्रैल में भारत से वस्तु निर्यात का मूल्य घटकर 5 महीने में सबसे कम रहा। वाणिज्य विभाग द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में भारत से वस्तु निर्यात पिछले साल अप्रैल की तुलना में 1 फीसदी घटकर 34.99 अरब डॉलर रहा। मगर वस्तु आयात 10.25 फीसदी बढ़कर 54.09 अरब डॉलर पहुंच गया। निर्यात घटने और आयात बढ़ने के कारण व्यापार घाटा उछलकर 19.1 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले पांच महीनों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। आयात में इजाफे का असली कारण पेट्रोलियम उत्पाद हैं। देश के कुल आयात में पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी करीब 32 फीसदी है। इस साल अप्रैल में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करीब 20 फीसदी बढ़कर 16.64 अरब डॉलर रहा। सोने का आयात भी तीन गुना होकर 3.1 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात इस साल अप्रैल में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 10 फीसदी बढ़कर 7.05 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम और रत्नाभूषण के अलावा माल का आयात 2 फीसदी बढ़कर 32.72 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम और रत्नाभूषण के अलावा होने वाले निर्यात से ही देश के निर्यात की स्थिति का सही पता चलता है। इस श्रेणी के उत्पादों का निर्यात इस साल अप्रैल में 1.32 फीसदी बढ़कर 26.77 अरब डॉलर रहा। कुल मिलाकर अप्रैल 2024 में देश के 30 क्षेत्रों में से 17 के उत्पादों का निर्यात घटा है। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद चार महीने तक सकारात्मक वृद्धि रही। इसके बाद प्रमुख बाजारों में मांग कमजोर होने और लाल सागर में संकट के कारण माल की आवाजाही प्रभावित होने से इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात घटा है। उन्होंने कहा` कि हाल के हफ्तों में वै श्विक आर्थिक तस्वीर सुधरती दिखी है, जिससे व्यापार बढ़ना चाहिए। इस साल अप्रैल में सेवाओं का निर्यात 14.3 फीसदी बढ़कर 29.57 अरब डॉलर रहा और उनका आयात 21.5 फीसदी बढ़कर 16.97 अरब डॉलर हो गया, जिससे इस श्रेणी के निर्यात में 12.6 अरब डॉलर का अधिशेष है। मगर अप्रैल का सेवा निर्यात का आंकड़ा अनुमानित है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक से आने वाले आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया जाएगा।

आईईएक्स का मुनाफा 9.5 प्रतिशत बढ़कर 96.7 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 9.5 प्रतिशत बढ़कर 96.7 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 88.34 करोड़ रुपये था। आईईएक्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कुल आय बढ़कर 149.28 करोड़ रुपये हो गई। यह वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में 129.58 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में खर्च 22.65 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 19.52 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 14.7 प्रतिशत बढ़कर 350.78 करोड़ रुपये हो गया। आय बढ़कर 550.84 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.50 रुपये के अंतिम लाभांश की घोषणा की है। इस मौके पर श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा कि यूपीआई पेमेंट दोनों देशों के लिए डिजिटल साझेदारी का एक जरिया है। ये बड़े लक्ष्य तक पहुचने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डिजिटल भुगतान ऐप फोनपे ने भारत में अगस्त 2016 में काम करना शुरू किया था। इसके 52 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म पर 3.8 करोड़ कारोबारी भी रजिस्टर्ड हैं जो डिजिटल पेमेंट स्वीकार करते हैं।

साधव शिपिंग के हाई स्पीड क्रूजर साधव अनुषा ने भारत में ऑफशोर क्रु ट्रांसफर में क्रांति ला दी

साधव शिपिंग लिमिटेड 1 मार्च, 2024 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई पोर्टल पर सूचीबद्ध है। कंपनी ने नए अधिग्रहीत फास्ट क्रू जहाज साधव अनुषा के माध्यम से मुंबई बंदरगाह और ओएनजीसी के अपतटीय प्रतिष्ठानों के बीच चालक दल स्थानांतरण सेवाओं को हरी झंडी दिखाई।

मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष (आईएएस) श्री राजीव जलोटा ने बुधवार, 15 मई, 2024 को मुंबई पोर्ट के घरेलू क्रूज़ टर्मिनल और ऑफशोर ओएनजीसी प्रतिष्ठानों के बीच यात्री परिवहन सेवाओं का उद्घाटन किया। इस समय मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के उपाध्यक्ष (आईएएस) श्री आदेश तितरमाने, ओएनजीसी लिमिटेड के सीवीओ आईपीएस अधिकारी श्री रंजन पी. इस अवसर पर ठाकुर, ओएनजीसी के कार्यकारी निदेशक श्री माधवन चंद्रन, ओएनजीसी के मुख्य रसद अधिकारी श्री महेसन पिल्लई, ओएनजीसी के जीजीएम श्री ब्रिजेश गोयल उपस्थित थे।

सरकारी तेल कंपनी ओएनजीसी अपने कर्मचारियों के लिए मुंबई हाई में विभिन्न तेल प्लेटफार्मों और ड्रिलिंग रिगों पर जाने के लिए परिवहन सेवाएं शुरू कर रही है और साधव अनुषा इस तरह का संचालन करने वाले पहले लोगों में से एक है। जहाज में बिजनेस क्लास सीटें, उत्कृष्ट पोजिशनिंग सिस्टम, जाइरो स्टेबलाइजर और मोशन मुआवजा गैंगवे है। इससे कर्मचारियों/पर्यटकों के लिए उपयोग किए जाने वाले हेलीकॉप्टरों द्वारा पारंपरिक रूप से प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर तनाव कम होने की उम्मीद है। साधव अनुषा ने सुरक्षित और कुशल अपतटीय क्रू स्थानांतरण संचालन के एक नए युग की शुरुआत की।

ओएनजीसी के कार्यकारी निदेशक, श्री माधवन चंद्रन ने कहा, "अत्याधुनिक जहाज की शुरुआत के साथ, यात्री अपतटीय प्रतिष्ठानों तक यात्रा करने के लिए सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक होंगे।" साधव शिपिंग लिमिटेड ने अगले पांच वर्षों के लिए इन सेवाओं को पूरा करने के लिए ओएनजीसी के साथ एक समझौता किया है।

मेरिल की अगली पीढ़ी की मायवल टीएचवी श्रृंखला वैश्विक हृदय वाल्व क्षेत्र में भारत की जीत का प्रतीक है

भारत।

मायवल ट्रांसकैथेटर हृदय वाल्व श्रृंखला की सुरक्षा और प्रभावकारिता को रेखांकित करने वाले मेरिल लाइफ साइंसेज के ऐतिहासिक परीक्षण ने यूरोपीसीआर 2024 में एक महत्वपूर्ण लेट-ब्रेकिंग परीक्षण के रूप में एक स्थान हासिल किया है। 31 साइटों पर 768 रोगियों को शामिल करने वाला यह परीक्षण अनुसंधान और रोगी कल्याण के प्रति मेरिल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मेरिल लाइफ साइंसेज से रोमांचक खबर! 30-दिवसीय ऐतिहासिक परीक्षण के प्रारंभिक परिणाम 15 मई को पेरिस, फ्रांस में यूरोपीसीआर 2024 में प्रस्तुत किए गए। लैंडमार्क को यूरोपीसीआर द्वारा इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में वर्तमान प्रथाओं में क्रांति लाने की क्षमता वाले शीर्ष तीन लेट-ब्रेकिंग परीक्षणों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी।

ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला कि सुरक्षा और प्रभावकारिता के आधार पर Myval THV श्रृंखला की प्रभावकारिता पारंपरिक THV श्रृंखला (24.7% बनाम 27.0%) से कम नहीं थी। इसमें मृत्यु, स्ट्रोक, प्रमुख रक्तस्राव, प्रमुख गुर्दे की चोट, प्रमुख संवहनी जटिलताओं, मध्यम या गंभीर वाल्वुलर एडिमा, और प्राथमिक समग्र समापन बिंदुओं के रूप में एक नए स्थायी पेसमेकर के आरोपण की आवश्यकता शामिल है, जिसमें श्रेणीबद्ध प्राथमिक समग्र समापन बिंदुओं में कोई अंतर नहीं है। 30 दिनों में डिवाइस की सफलता और प्रक्रिया कक्ष से बाहर निकलने पर तकनीकी सफलता सहित अन्य माध्यमिक समापन बिंदुओं पर 30 दिनों की प्रारंभिक सुरक्षा, दोनों समूहों के बीच तुलनीय थी।

लैंडमार्क परीक्षण के अध्यक्ष और अध्ययन निदेशक प्रोफेसर सेरुइस ने कहा, "माइवल टीएचवी श्रृंखला एक अभिनव अगली पीढ़ी की टीएचवी डिवाइस है, जो सैपियन और इवोल्यूट टीएचवी श्रृंखला का उत्तराधिकारी है। तुलना में गैर-हीन। मायवल टीएचवी में एक अद्वितीय आकार का मैट्रिक्स है जिसमें पारंपरिक शामिल है, 1.5 मिमी के उत्तरोत्तर बढ़ते व्यास चरणों के साथ मध्यम और बड़े व्यास, जो प्रत्येक रोगी के मल्टी-स्लाइस सीटी स्कैन - निर्दिष्ट इरोटिक एनलस क्षेत्र के अनुरूप होता है और सटीक रूप से फिट बैठता है, जिससे इकोकार्डियोग्राफी पर छिद्र क्षेत्र पर बेहतर प्रभावकारिता प्रदान की जाती है विस्तार के दौरान ऑक्टाकोर (मायवल ऑक्टाकोर) 19%, सामने से कम से कम 2 पंक्तियाँ पतली होने के साथ, इसमें किसी भी अन्य मौजूदा डिवाइस से बेजोड़ अद्वितीय विशेषताएं हैं।"

श्री महुदी (मधुपुरी) जैन श्वे. मुतिपुजक संघ-ट्रस्ट

महुदी संघ की स्थापना जैन समुदाय के महान आचार्य श्रीमद बुद्धिसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब ने की थी, जिनका जन्म लगभग 100 साल पहले पटेल वंश में हुआ था और परिवार के चार बुजुर्गों को एक साथ रखा गया था। इन चार परिवारों यानी मेहता परिवार के 2 बुजुर्ग, शाह परिवार के 1 बुजुर्ग और वोरा परिवार के 1 बुजुर्ग को मिलाकर एक संघ बनाया गया है। इस संघ के सदस्य महुदी गांव के इन चार परिवारों के आजीवन सदस्य हैं. और जिसे भी ये चार परिवार विरासत में मिलेंगे, वह सदस्य बन सकता है। ट्रस्टियों की नियुक्ति इन चार परिवारों के बुजुर्गों द्वारा की जाती है। अर्थात जो अपने ही परिवार के बुजुर्गों और सदस्यों को ट्रस्टी के रूप में नियुक्त करता है और उन्हें महुदी संघ में नामित करता है। आज श्री महुदी (मधुपुरी) जैन श्वे. मुतिपुजक संघ-ट्रस्ट के अजीवन मेहता परिवार के सदस्यों ने अहमदाबाद के निमार्ण भवन लॉ-गार्डन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। जिसमें ट्रस्ट के सदस्यों ने ट्रस्ट में चल रहे भ्रष्टाचार पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के महत्व का मुद्दा यह है कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के विमुद्रीकरण काल के दौरान, उस समय के श्री महुदी संघ के वोरा-परिवार के श्री भूपेन्द्रभाई वोरा और श्री कमलेशभाई मेहता ने आदान-प्रदान किया 20त्न कमीशन लेकर वित्तीय लाभ के साथ पैसा।

काबुलत, अहमदाबाद ज्वाइंट चैरिटी कमिश्नर नामक इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश की गई इस मामले की याचिका, एप्लीकेशन नं. 23/2024 एवं वर्तमान में प्रतिष्ठित न्यायालय में लम्बित है।आर्दश कंपनी बैंक के चेयरमैन श्री मुकेशभाई मोदी ने लोगों को धोखा दिया है।और उस घोटाले के बराबर के हिस्सेदार श्री महुदी संघ के श्री भूपेन्द्रभाई वोरा ने उस घोटाले के पैसे से सोना खरीदा है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका बिल पेश किया गया है।

यह सोना घोटाले के पैसे से खरीदा गया है। यह जानने के बावजूद भी श्री भूपेन्द्रभाई वोरा इस समय यह सोना महुदी के कार्यालय में रखे हुए हैं। उनकी जांच फिलहाल सीआईडी के अधीन है. अपराध कर रहे हैं

महुदी संघ के सदस्यों ने श्री महुदी संघ में चल रही अनियमितताओं को लेकर गुजरात राज्य के कानून विभाग से शिकायत की है। इसकी जांच चल रही है। महुदी संध-ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित महुदी परिसर में श्री घंटाकर्ण महावीर देव का मंदिर देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध है।

इस कलयुग में भी महुदी परिसर में श्री धन्ताकर्ण महावीर देव का मंदिर देश-विदेश में काफी प्रसिद्ध है। इस कलियुग में भी महुदी की सुखड़ी को गांव से बाहर नहीं ले जाया जाता है. यह एक चमत्कार जैसा लगता है. श्री धन्ताकर्ण महावीर की अटूट भक्ति के कारण सभी जैन और अजैन दादा के चरणों में बहुमूल्य उपहार, आर्थिक उपहार, छठवा बोली आदि अर्पित करते हैं। महुदी संधाद का सारा पैसा लोगों की आस्था और भावना का पैसा है। ऐसे लोगों के ट्रस्ट के पैसे से महुदी संधाद के नाम पर खरीदी गयी संपत्ति को शामिल नहीं किया गया है. ऐसे मशहूर ट्रस्टों में बिजनेसमैन को खूब तोहफे दिए जाते हैं। इसे ट्रस्ट की किताबों में नहीं लिया गया है और खरीदी गई जमीन को आज तक किताबों में नहीं लिया गया है।

हिन्दी तिथियों और व्रतों के महत्व पर सेमिनार का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा हिन्दी तिथियों और व्रतों के महत्व पर सेमिनार का आयोजन गुरुवार को शाम चार बजे से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के बोर्ड रूम में किया गया। सेमिनार में ज्योतिषाचार्य जोशी अशोक सोमेश्वर ने आज की परिस्थितियों में जबकि हर त्यौहार दो दिन मनाया जाता है तब सही तिथियों को कैसे पहचाने और बदलाव लाकर अपने जीवन को कैसे सुचारू रूप से चलाएं। कैसे अपनी परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहे और और कैसे अपने बच्चों को इन सब से जोड़ें आदि के बारे में विस्तार से बताया। सेमिनार में महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया, दीपाली सिंहल, आरती मित्तल, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहें।

आईपीएल में मुंबई और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के मुकाबला होगा। मुम्बई पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अंक तालिका में नौवे स्थान पर आना रहेगा। अभी मुम्बई की टीम दसवें और अंतिम स्थान पर है। ये मैच एक प्रकार से औपचारिकता है। ऐसे में मुम्बई की टीम इसमें उन खिलाड़ियों को भी अवसर दे सकती है जिन्हें अभी तक इस सत्र में खेलने का अवसर नहीं मिला है। इसमें अर्जुन तेंदुलकर और कुमार कार्तिकेय जैसे खिलाड़ी हैं। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में इस बार टीम पूरी तरह से विफल रही है और उसके बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाये। स्वयं हार्दिक का प्रदर्शन भी खराब रहा है। वहीं दूसरी ओर केएल राहुल की सुपर जायंट्स भी आईपीएल से बाहर होने की कगार पर है। उसे अगर अपनी हल्की सी भी संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो ये मैच बड़े अंतर से जीतना होगा। इसके बाद भी कोई अजूबा ही उसे शीर्ष 4 में जगह दिला सकता है। लखनऊ के बल्लेबाज और गेंदबाज इस सत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं आईपीएल इतिहास के सबसे तेज गेंदबाज बने मयंक यादव के बाहर होने से भी उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। लखनऊ को अगर ये मैच जीतना है तो राहुल, क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को बड़े स्कोर बनाने होंगे। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई और यश ठाकुर को मुम्बई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, ऐसे में जीत के लिए यहां बड़ा स्कोर बनाना होगा। यहां पर बल्लेबाज जमकर रन बनाते हैं। छोटा मैदान होने की वजह से वानखेड़े स्टेडियम में जमकर चौके-छक्के भी लगते हैं। यहां आम तौर पर बड़े स्कोर वाले मैच देखने को मिलते हैं। इसके अलावा स्पिनरों को भी पिच पर थोड़ी सहायता मिलती है। स्पिनर यहां बल्लेबाजों को परेशान करते हुए भी दिखते हैं। इसके बाद भी मुंबई और लखनऊ के बीच बड़े स्कोर वाला

मैच देखने को मिलेगा।

आईपीएल इतिहास में मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 117 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 53 पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम तो 64 दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने मुकाबले जीते हैं। यहां पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहता है। मुम्बई की ओर से रोहित शर्मा भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में वह अपने घरेलू मैदान पर लय हासिल करना चाहेंगे, हार्दिक भी गेंद और बल्ले से अच्छा योगदान देना चाहेंगे। सूर्यकुमार यादव ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वह अपनी लय बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह के अलावा किसी ने भी प्रभावित नहीं किया है।

टीम

मुंबई इंडियंस -हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्ती, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), नेहल वढेरा और ल्यूक वुड।

लखनऊ सुपर जायंट्स -लोकेश राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, दीपक हुड्डा, आयुष बडोनी, मार्कस स्टोइनिस, निकोलस पूरन, क्रुणाल पंड्या, रवि बिश्नोई, मोहसिन खान, शमार जोसेफ, यश ठाकुर, मणिमारन सिद्धार्थ, प्रेरक मांकड़, अरशद खान, कृष्णप्पा गौतम, अमित मिश्रा, काइल मायर्स, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, नवीन-उल-हक, देवदत्त पडिक्कल, युद्धवीर सिंह चरक, मयंक यादव और अर्शिन कुलकर्णी।

फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री ने लिया संन्यास, बोले- नए लोगों को मौका देने का समय है

- 6 जून को खेलेंगे अपना अंतिम मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। छेत्री ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिये की है। छेत्री के अनुसार वह अपना अंतिम मैच 6 जून को कुवैत के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन मुकाबले में खेलेंगे। 39 साल के छेत्री ने 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कारने के साथ ही अपना पहला गोल भी किया था। छेत्री ने अपने दो दशक के करियर में 145 मैच खेलते हुए 93 गोल दागे हैं। छेत्री अब सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर और सर्वाधिक कैप्ड खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहेंगे। वह अभी सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद तीसरे स्थान पर हैं। छेत्री ने संन्यास की घोषणा करने के दौरान अपने डेब्यू से लेकर अपने पूरे करियर में बताये समय को भी याद किया और भावुक भी हो गये। उन्होंने अपना एक वीडियो भी जारी किया। इसमें उन्होंने अपना सफर दिखाया। उन्होंने अपने करियर में कुल 6 बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीते हैं। इसके अलावा 2011 में उन्हे अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्म श्री पुरस्कार मिला था। अंतरराष्ट्रीय मंच पर छेत्री एएफसी में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों में शामिल रहे हैं। 2008 में चैलेंज कप, 2011 और 2015 में सैफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप, साथ ही 2017 और 2018 में इंटरकांटिनेंटल कप खेला था।

सीएसके के खिलाफ मैच नहीं हो पाया तो आरसीबी होगी बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच 18 मई को बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच में बारिश का साया मंडरा रहा है। इस मैच में अगर बारिश हुई तो आरसीबी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। शुरुआत में लगातार छह मैच हारने के बाद आरसीबी की टीम ने बाकि मुकाबले जीतकर अपनी संभावनाएं बनायी हैं। ऐसे में अब टीम दुआ करेगी कि बारिश न हो।

आरसीबी की टीम 13 मैच खेलने के बाद 12 अंक लेकर प्लेऑफ की हल्की सी उम्मीद कर रही है। अगर वह चेन्नई के खिलाफ अगर अपना अंतिम मैच जीत लेती है तो 14 अंकों पर पहुंचकर प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इसके साथ ही नेट रन रेट ने अगर साथ दिया तो टीम अगले दौर में जगह भी बना लेगी पर अगर बारिश के कारण से मैच नहीं हो पाया तो वह बाहर हो जाएगी।

बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले इस मैच में बारिश की आशंका है जो मेजबान आरसीबी को खेल बिगाड़ सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बैंगलोर में 14 से 19 मई के बीच भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। सिर्फ बारिश ही नहीं बल्कि तूफान भी आने की आशंका है। ऐसे में अगर मौसम विभाग की चेतावनी सही निकली तो आरसीबी और सीएसके का मैच नहीं हो पाएगा। वहीं सीएसके की टीम के पास 13 मैच से 14 अंक हैं और वह बैंगलोर के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद अगर 1 अंक बांटती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। ऐसे में उसके प्लेऑफ में जाने की संभावना रहेगी। वहीं आरसीबी की टीम 13 अंकों पर ही रहने के कारण बाहर होगी।

हरमनप्रीत को भारत सहित इन चार टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

ढाका (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं।

हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बांग्लादेश को 5-0 से हराया था। हरमनप्रीत ने एक समारोह के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा जिसका मुकाबला करने के लिए हमारी टीम उत्साहित है क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, 'अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमारा मनोबल बढ़ेगा इसलिए मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं। हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान बांग्लादेश टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की सीरीज में शानदार जीत से टीम बेहतर हुई है।

जुवेंटस ने अटलांटा को हराकर अपना 15वां कोपा इटालिया खिताब जीता

रोम। जुवेंटस ने बुधवार को शुरुआती मिनटों में डुसान व्लाहोविक के गोल की बदौलत अटलांटा को 1-0 से हराकर अपना 15वां कोपा इटालिया खिताब हासिल किया। जुवेंटस ने इससे पहले 14 बार टूर्नामेंट जीता था और उनकी आखिरी जीत 2021 में हुई थी, जबकि अटलांटा ने 1962-63 सीज़न में केवल एक बार खिताब जीता था। जुवेंटस ने मैच में स्वप्निल शुरुआत की। चौथे मिनट में ही डुसान व्लाहोविक ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। खिताबी जीत के बाद मुख्य कोच मैसिमिलियानो एलेग्री ने एक बयान में कहा, यह एक महत्वपूर्ण मैच था, फ़ाइनल खेलना हमेशा अद्भुत होता है। हम तीन कठिन महीनों से गुज़रे जो बहुत विकास के थे। जुवेंटस एक महत्वपूर्ण क्लब है और हमें वह मिला जो हमें चाहिए था, चैंपियंस लीग और कोपा इटालिया फाइनल खेलना शानदार था, जिन्हें जीतने के लिए लड़कों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे धोनी : रायुडू

42 की उम्र में लगा रहे चौके और छक्के

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि चेन्नई महेन्द्र सिंह के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दिया है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। रायुडू ने कहा कि बढ़ती उम्र को देखते हुए धोनी ने पिछले कुछ साल में अपनी फिटनेस पर विशेष जोर दिया है क्योंकि वह जानते हैं कि 40 के दशक में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी विकेटकीपिंग करते हुए फिट नजर आते हैं। वह अनुभवी विकेटकीपर के रूप में सजग हैं और बल्लेबाजी के दौरान डेथ ओवरों में छक्के भी लगा रहे हैं। धोनी ने अब तक 13 मैचों में 226.26 की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए हैं। इस आईपीएल सत्र में उनका 68 का औसत चेन्नई के सभी बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है। इस सत्र में वह केवल 2 बार आउट हुए हैं। धोनी ने इस सीजन में अब तक 12 छक्के लगाए हैं और इससे फिटनेस और पावर हिटिंग के प्रति उनका समर्पण है दिखता है। रायडू ने कहा, पिछले 2 वर्षों में वह जिम में वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है। वह काफी वजन उठा रहे हैं और साथ ही वह रिकवरी में भी काफी समय बिताते हैं। वह कोशिश करता है कि उसे चोट न लगे और वह अपनी मांसपेशियों और शरीर का ख्याल रखता है। सबसे अहम बात, मुझे लगता है कि वह काफी बल्लेबाजी कर रहा है और यही चीज उसे आगे ले जाती है और वह नेट्स में बहुत सारे छक्के लगाता है। धोनी के कारय ही टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी है।

तेज गेंदबाज बनना चाहते थे उसेन बोल्ट, कहा- क्रिकेट मेरे खून में है

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्राटा के शहंशाह उसेन बोल्ट को पिता से क्रिकेट का जुनून विरासत में मिला है लिहाजा उनके खून में है और उनका पसंदीदा प्रारूप टी20 है। आठ ओलंपिक स्वर्ण जीत चुके बोल्ट जमैका में बचपन के दिनों में तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। अगले महीने से होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दूत बोल्ट का क्रिकेट से जुड़ने का सपना आखिर किसी रूप में साकार हुआ।

बोल्ट ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं क्रिकेट देखकर बड़ा हुआ हूं। मेरे पिता क्रिकेट के शौकीन रहे हैं और आज भी हैं। यह मेरे खून में है। मैं क्रिकेट से एमबेस्डर के रूप में जुड़ रहा हूं जो शानदार है। क्रिकेटर बनने का मेरा सपना तो पूरा नहीं हुआ लेकिन टी20 विश्व कप का एमबेस्डर होना शानदार है।' अपने सात साल के करियर में 100 और 200 मीटर के विश्व रिकॉर्डधारी बोल्ट अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। पिछले कुछ महीने संगीत और फुटबॉल का अपना शौक पूरा करने के लिए दुनिया घूमने वाले बोल्ट को टीवी पर क्रिकेट और आईपीएल देखने का मौका नहीं मिला।

उन्होंने कहा, 'मैं उतना क्रिकेट नहीं देख सका लेकिन जब भी मौका मिलता है, मैं टी20 मैच देखता हूं।' उन्होंने कहा, 'यह मेरा पसंदीदा प्रारूप है। इसमें आपको मजबूत, तेज और अच्छी रणनीति बनाने में माहिर होना पड़ता है। इसमें टेस्ट और वनडे दोनों का जादू देखने को मिलता है।' बोल्ट ने कहा, 'वेस्टइंडीज में टी20 और वनडे अभी भी लोकप्रिय है। लोगों को टेस्ट क्रिकेट उतना पसंद नहीं आता है। यह खेल की रफ्तार से जुड़ा है। आद्रे रसेल जैसे बिग हिटर को देखने में मजा आता है। वेस्टइंडीज में टी20 क्रिकेट काफी लोकप्रिय है।'

बचपन के दिनों की क्रिकेट की उनकी यादों में वसीम अकरम की इनस्विंग यॉर्कर भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'बचपन में वसीम अकरम मेरे फेवरिट थे। इनस्विंग यॉर्कर

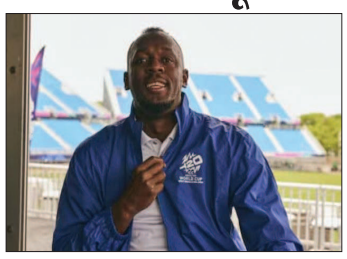

की वजह से। कर्टनी वॉल्श और कर्टली एम्ब्रोज भी थे। अपने पिता की तरह मैं वेस्टइंडीज का समर्थक था लेकिन मुझे सचिन तेंदुलकर भी पसंद हैं। वह और ब्रायन लारा मेरे बचपन की यादों का हिस्सा है।' मौजूदा क्रिकेटरों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि विराट कोहली का कोई सानी नहीं।

और कुछ दिनों तक दिखाई नहीं दूंगा... विराट कोहली ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान

मुंबई (एजेंसी)। इस बार के आईपीएल सीजन में रॉयल चैंलेजर्स बेंगुलरु के स्टार बल्लेबाज और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली काफी कमाल के फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वहीं बात करें आरसीबी की तो अभी भी उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नजर आ रही हैं। इन सब के बीच विराट कोहली को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। आरसीबी द्वारा एक पोडकास्ट में कोहली ने अपने करियर से जुड़े कई सवालों के जबाव दिए, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट संन्यास को लेकर भी बात की। इसके साथ ही कोहली के टी20 विश्व कप की टीम में चयन को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे जिसका जवाब उन्होंने दिया। संन्यास को लेकर कोहली ने कहा, 'हर खिलाड़ी के जीवन में एक समय आता है जब उन्हें संन्यास लेने का फैसला करना पड़ता है, लेकिन मैं अभी उस समय पर नहीं हूं। मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे मुझे बाद में पछतावा हो।' इसके बारे में मुझे पूरा भरोसा है मैं ऐसा नही करुंगा। कोहली ने आगे कहा की जब मेरा यहां पर काम पूरा हो जाएगा तो मैं चला जाउंगा और कुछ दिनों तक दिखाई नहीं दूंगा। कोहली ने कहा मैं जबतक खेलना जारी रखूंगा तब तक अपना बेस्ट देता रहूंगा।

आईपीएल के बारे में भी की बात

इसके अलावा, कोहली ने आईपीएल सीजन के बारे में भी बात की और कहा कि वह अपने बल्ले से प्रदर्शन कर रहे हैं और हर मैच में अपने टीम के लिए योगदान दे रहे हैं। विराट कोहली ने इस सीजन में 13 मैचों में 661 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 155.16 है। इसके अलावा उन्होंने ऑरेंज कैप पर भी अपना कब्जा किया है। विराट ने इस सीजन हर मैच में अपने बल्ले से विपक्षी टीम के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की है। वे टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं अगर उन्होंने अपनी फॉर्म को बनाए रखा।

नीरज चोपड़ा ने फेडरेशन कप में स्वर्ण और डीपी मनु ने जीता रजत

भुवनेश्वर। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने बुधवार को फेडरेशन कप 2024 एथलेटिक्स मीट के पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में 82.27 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। आज यहां कलिंगा स्टेडियम में हुई स्पर्धा में डीपी मनु ने 82.06 मीटर के साथ रजत पदक जीता, जबकि उत्तम बालासाहेब पाटिल ने 78.39 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। नीरज चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 82 मीटर का थ्रो किया, जबकि डीपी मनु ने 82.06 मीटर के थ्रो के साथ इवेंट की शुरुआत की, जो इस इवेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी रहा। वहीं, चोपड़ा ने अपने चौथे प्रयास में 82.27 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया, इसके साथ ही उन्होंने इस इवेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया, लेकिन आखिरी के दो थ्रो उन्होंने छोड़ने का फैसला किया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता किशोर जेना इस इवेंट में 75.49 मीटर थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद, 'मैंने कुछ दिन पहले दोहा में प्रतिस्पर्धा किया था। इसलिए, मैंने आखिरी दो थ्रो छोड़ने का फैसला किया। मैं अगले 10-12 दिनों में चेकिया में फिर से प्रतिस्पर्धा करूंगा। इतने लंबे समय के बाद भारत में प्रतिस्पर्धा करना अच्छा था। उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद जो आज हमारा समर्थन करने आए थे।' नीरज चोपड़ा ने पिछले सप्ताह दोहा में आयोजित डायमंड लीग 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। इस दौरान वह 88.36 मीटर के थ्रो के साथ प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे थे। उल्लेखनीय है कि नीरज चोपड़ा और किशोर जेना, दोनों एथलीटों ने भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा पहले ही हासिल कर चुके है।

इटालियन ओपन : टेलर फिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

रोम। विश्व के 5वें नंबर के खिलाड़ी जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बुधवार रात अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फिट्ज को हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने एक घंटे और 30 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में अपनी मजबूत सर्विस और त्रुटिहीन बेसलाइन खेल की बदौलत अमेरिकी खिलाड़ी को 6-4, 6-3 से हराया। ज्वेरेव ने मैच जीतने के बाद एटीपी के हवाले से अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यही वह शॉट है जिससे मैं या तो मैच जीतता हूं या हारता हूं। इसी तरह मेरा पूरा करियर रहा है। जब मैं उस शॉट को अच्छी तरह से मारता हूं, तभी मैं जीतता हूं। जब मैं इसे बहुत अच्छी तरह से नहीं मार रहा होता हूं, तब मैं हार जाता हूं। मैं अपने करियर में जिस शॉट पर सबसे अधिक काम कर रहा हूं, वह निश्चित रूप से मेरी सर्विस भी है। विश्व नंबर 5 ने उल्लेख किया कि इस पखवाड़े में उनकी अच्छी सर्विस ने उन्हें रैलियों में अधिक स्वतंत्र रूप से खेलने का मौका दिया है। ज्वेरेव ने कहा, यही आपको बेसलाइन से शायद थोड़ा अधिक जोखिम लेने की सुरक्षा देता है। यह किसी भी टेनिस खिलाड़ी के लिए सबसे महत्वपूर्ण शॉट है। टेलर इस साल क्ले पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। ऐसी जीत हासिल करना मेरे लिए बहुत अच्छा है। ज्वेरेव का अगला मुकाबला नंबर 29 एलेजांद्रो ताबिलो से होगा, जिन्होंने छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के खिलाफ दूसरे दौर में उलटफेर दर्ज किया।

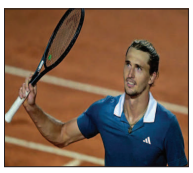

पेरिस 2024: शरत, मनिका ओलंपिक टीम पदार्पण में भारत का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली : अनुभवी शरत कमल और दुनिया की 24वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा पेरिस खेलों में क्रमशः भारतीय पुरुष और महिला टीम का नेतृत्व करेंगे जहां देश टीम स्पर्धाओं में ओलंपिक में पदार्पण करेगा। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) की सीनियर चयन समिति ने गुरुवार को ओलंपिक मानदंडों के अनुसार छह सदस्यीय टीम (प्रत्येक वर्ग में तीन) का चयन किया। इसके अलावा एकल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों का भी चयन किया गया।

शरत, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर को तीन सदस्यीय पुरुष टीम में जगह मिलेगी जबकि मनिका, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ महिला वर्ग में टीम के सदस्य होंगे। प्रत्येक वर्ग में 'वैकल्पिक खिलाड़ी' जी साथियान और आयहिका मुखर्जी होंगे। पुरुष एकल में शरत और हरमीत प्रतिस्पर्धा करेंगे जबकि महिला एकल में मनिका और श्रीजा चुनौती पेश करेंगी। यह निर्णय नवीनतम विश्व रैंकिंग के आधार पर लिया गया है।

वर्ष 2004 में ओलंपिक पदार्पण करने वाले 41 वर्षीय शरत का यहां पांचवां और अंतिम ओलंपिक होगा। टीमों और व्यक्तिगत स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों का चयन टीटीएफआई के पहले से निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया था। तीन खिलाड़ियों का चयन पिछले कुछ समय में उनके प्रदर्शन की निरंतरता और विश्व रैंकिंग के अनुसार 'स्वतः' हुआ। हालांकि महिला टीम की तीसरी खिलाड़ी को लेकर बहस चल रही थी।

मनिका और श्रीजा अकुला अपनी उच्च विश्व रैंकिंग (शीर्ष 50 के अंदर) के आधार पर टीम का हिस्सा बनीं जबकि अर्चना (103) ने तीसरे खिलाड़ी के रूप में टीम में जगह बनाई। बेंगलुरू की अर्चना ने अपनी रैंकिंग सहित कई मामलों में आयहिका (133) को पीछे छोड़ दिया। पुरुष टीम में 40वीं विश्व रैंकिंग के साथ शरत का चयन शीर्ष भारतीय खिलाड़ी के रूप में स्वतः हुआ जबकि हरमीत (63) और मानव (62) की विश्व रैंकिंग में सिर्फएक नंबर का अंतर है। हालांकि दोनों ने टीम में जगह बनाई है लेकिन राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत को उनके अंतरराष्ट्रीय (जीत-हार का बेहतर रिकॉर्ड) और राष्ट्रीय प्रदर्शन के आधार पर एकल वर्ग के लिए चयनकर्ताओं की मंजूरी मिली।

बैठक में मासिमो कोस्टेंटिनी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे और उनकी सलाह उपयोगी रही होगी। कोस्टेंटिनी अगले सप्ताह तीसरी बार भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। वह इस सप्ताह की शुरुआत में भारत पहुंचे। वैकल्पिक खिलाड़ी साथियान और आयहिका टीम के साथ पेरिस जाएंगे लेकिन आधिकारिक खेल गांव में नहीं रहेंगे। चोट लगने की स्थिति में उनकी सेवाओं की आवश्यकता होगी।

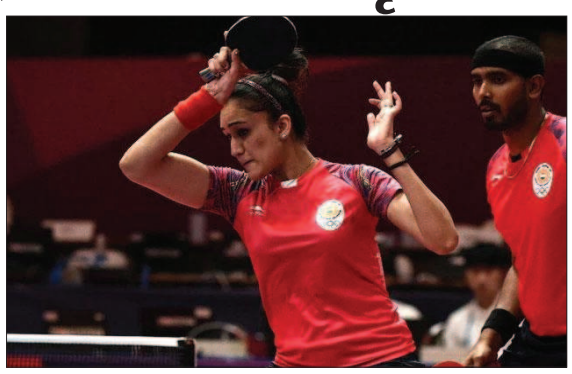

टीम इस प्रकार हैं :

पुरुष : शरत कमल, हरमीत देसाई, और मानव ठक्कर; वैकल्पिक खिलाड़ीः जी साथियान।

महिला : मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ; वैकल्पिक खिलाड़ीः आयहिका मुखर्जी।

पारुल यूनिवर्सिटी ने गतिशील ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का किया विस्तार, शैक्षिक उन्नति के लिए आज ही करें रजिस्ट्रेशन

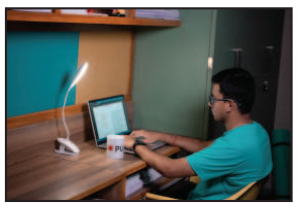

गुजरात। पारुल यूनिवर्सिटी, वडोदरा गुजरात का एक अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थान है, जो अपने विविध ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से इच्छुक छात्रों को अनगिनत अवसरों की दुनिया तलाशने एक गेटवे का काम कर रहा है। युवा छात्र आबादी के बीच फ्लेक्सिबल और सुलभ शिक्षा की बढ़ती मांग को पहचानते हुए विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम शिक्षा के बदलते परिदृश्य को पूरा करते हैं और छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं।

ऑनलाइन कार्यक्रमों के साथ भविष्य का स्वागत करें

पारुल यूनिवर्सिटी ने अपने छात्रों को डिजिटल युग में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देने के लिए ऐसे युग में ऑनलाइन शिक्षा को अपनाया है, जहां डिजिटल परिवर्तन उद्योगों को नया आकार दे रहा है। विश्वविद्यालय के ऑनलाइन कार्यक्रम विभिन्न विषयों में फैले हुए हैं, जिनमें निम्न पाठ्यक्रम शामिल हैं:

1. व्यवसाय और प्रबंधन

• ऑनलाइन एमबीए - छात्रों को व्यापक व्यावसायिक कौशल और नेतृत्व कौशल से लैस करना।

• ऑनलाइन बीबीए - इच्छुक व्यावसायिक पेशेवरों के लिए भविष्य के लिए तैयार स्नातक कार्यक्रम।

2. गणित

• ऑनलाइन एमएससी - अपने चुने हुए क्षेत्र में अपने करियर को आगे बढ़ाते हुए विशेष ज्ञान और उन्नत विशेषज्ञता हासिल करें।

3. कंप्यूटर विज्ञान और आईटी

• ऑनलाइन एमसीए - कंप्यूटर अनुप्रयोगों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता का पोषण।

• ऑनलाइन बीसीए - शिक्षार्थियों को प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर विज्ञान की बुनियादी बातें प्रदान करता है।

4. वाणिज्य एवं वित्त

• ऑनलाइन एम.कॉम - वाणिज्य, लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन में ज्ञान और कौशल बढ़ाना।

5. सामाजिक विज्ञान

• ऑनलाइन एमएसडब्ल्यू - एक व्यापक कार्यक्रम जो छात्रों को सामाजिक कार्य और सामुदायिक विकास में करियर के लिए तैयार करता है।

• क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑनलाइन एमए - मानव व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य के जटिल पहलुओं पर प्रकाश डालता है।

• पत्रकारिता और जनसंचार में ऑनलाइन एमए - पत्रकारिता और जनसंचार की गतिशील दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी कहने की क्षमता और मीडिया साक्षरता कौशल को निखारें।

• अंग्रेजी भाषा शिक्षण में ऑनलाइन एमए - भविष्य की पीढ़ियों को अंग्रेजी भाषा सीखने के लिए प्रेरित करने और शिक्षित करने के लिए खुद को नवीन शिक्षण पद्धतियों और भाषा दक्षता से लैस करें।

ये पाठ्यक्रम एक लचीला और सुविधाजनक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे छात्रों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं के साथ अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को संतुलित करने की अनुमति देते हैं।

सामरिक उद्योग गठबंधन और मान्यता

पारुल यूनिवर्सिटी ऑनलाइन ऐप्पल, टेस्ला, अमेर्ज़ेन, गूगल और मेटा जैसे उद्योग के दिग्गजों के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाती है, जो स्नातकों को प्रतिष्ठित करियर संभावनाओं के लिए विशेष मार्ग प्रदान करती है। प्रतिष्ठित मान्यता, विशेष रूप से NAAC A++ रेटिंग द्वारा समर्थित, विश्वविद्यालय शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रतीक है। पेशेवर क्षेत्रों में निर्बाध परिवर्तन सुनिश्चित करते हुए, पारुल विश्वविद्यालय 100त्न प्लेसमेंट सहायता प्रदान करता है। अमेज़न से 2.6 करोड़ पैकेज प्राप्त करने वाले मिलिंद पुरुषवाणी जैसे पूर्व प्रतिभावान छात्र के अलावा, धैर्य किकानी, अक्षर पटेल, और मानसी दलवानी जैसे अन्य अलुम्नियों ने अमेज़न, एप्पल, टेस्ला, और गूगल जैसी कंपनियों में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है, जो हमारे स्नातकों द्वारा प्राप्त की गई उत्कृष्टता का स्तर दर्शाते हैं, जो आगे की करियर के लिए पारुल यूनिवर्सिटी के प्रति प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करते हैं।

सूरत में पहली ऐतिहासिक चार दिवसीय प्रभु यात्रा

सुरत भुमि, सूरत । ग्रंथराज यात्रा अद्भुत अलौकिक चमत्कारी 2300 किलो का पंचधातु दशदिकपाल - नवग्रह - अष्टमंगल - क्षेत्रपाल युक्त जया - अजिता - अपराजिता - धरणेंद्र संयुक्त विजया देवी - पद्मावती - सोलह विद्यादेवी से सुसज्जित प्रभु का च्यवन - कैवल्य कल्याणक दिवस पर 5 मिनट में निर्मित आश्चर्यजनक, अलौकिक 85ज्ज इंच पंचधातु की श्री अभयपार्श्वनाथ भगवान एवं -गीतार्थ -अगमोद्धारक प. आचार्य श्री सागरानंदसूरीश्वरजी महाराज द्वारा रचिता के मंगलमय एक लाख श्लोकों की 230 खंडों वाली ग्रंथराज की मंगलमय महायात्रा। ग्रंथ विमोचन जिसकी प्रस्तावना 24 विद्वान आचार्य भगवंतों ने लिखी है। ऐसा श्री अभय पार्श्वनाथ भगवान के सूरत शहर में प्रवेश के पहले दिन, प्रभु यात्रा और ग्रंथ यात्रा गोपीपुरा से शुरू हुई और कैलाशनगर में समाप्त हुई जिसमें: पवन सानिध्य:- प.पू. आचार्य भगवंत श्री सागरचंद्रसागरश्वरीश्वरजी आदि ठाणा एवं साध्वीजी भगवंत सहित श्रोतागण उपस्थित थे। जिसमें भगवान की स्तुति और शास्त्रों की स्तुति करने के लिए सूरत शहर के माननीय महापौर श्री दक्षेशभाई मेवानी विशेष रूप से उपस्थित थे और उन्होंने भगवान की प्रार्थना और धर्मग्रंथ की स्तुति की।

पारूल युनिवर्सिटी ने साइंस, कामर्स और आर्ट्स में अंडरग्रेजुएट कोर्सेज़ के लिए प्रवेश शुरू किए

गुजरात। अपनी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विख्यात पारूल युनिवर्सिटी ने फैकल्टी ऑफ साइंस, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स और बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) प्रोग्रामों के लिए प्रवेश शुरू कर दिए हैं। गुजरात बोर्ड की कक्षा 12 के परिणाम आने के बाद युनिवर्सिटी ने यह घोषणा की है। उम्मीदवार युनिवर्सिटी की वेबसाईट पर दिए गए ऑफिशियल लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स के प्रोग्राम छात्रों की अकादमिक यात्रा के बुनियादी स्तंभ होते हैं, जो उन्हें भावी लीडर्स एवं इनोवेटर्स के रूप में विकसित कर विभिन्न उद्योगों के लिए तैयार करते हैं। पारूल युनिवर्सिटी को अकादमिक उत्कृष्टता एवं छात्रों के समग्र विकास के लिए जाना जाता है, युनिवर्सिटी ने विकास की इस यात्रा के लिए महत्वाकांक्षी छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

डॉ देवांशु पटेल, प्रेज़ीडेन्ट, पारूल युनिवर्सिटी ने अंडरग्रेजुएट शिक्षा के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, ''पारूल युनिवर्सिटी एक डायनामिक हब की तरह काम करती है, जहां विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स में पढ़ाई कर अपने करियर की दिशा में बढ़ सकते हैं।

अकादमिक उत्कृष्टता के लिए समर्पण और अपने व्यापक प्रोग्रामां के माध्यम से हम छात्रों को विज्ञान की गहराई तक जाने, कॉमर्स की जटिलताओं को समझने और आर्ट्स में मानव भावनाओं की अभिव्यक्ति में सक्षम बनाते हैं। हमारा उद्देश्य छात्रों को शिक्षा का समग्र अनुभव प्रदान करना जहां वे ज़रूरी ज्ञान एवं कौशल पाकर इस बदलती दुनिया की जटिलताओं का सामना करने के लिए तैयार हो सकें।''

फैकल्टी ऑफ साइंस: एक उज्जवल कल के लिए छात्रों को बना रहे हैं सशक्त

पारूल युनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ साइंस अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों की व्यापक रेंज लेकर आती है, जो छात्रों को विज्ञान विषय में ज़रूरी ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। गुजरात सैकण्डरी और हायर सैकण्डरी बोर्ड एचएससी 2024 परीक्षा के परिणाम घोषित होने के साथ, युनिवर्सिटी अपने अकादमिक समुदाय में महत्वाकांक्षी वैज्ञानिकों का स्वागत करने के लिए तैयार है।

फैकल्टी ऑफ साइंस द्वारा पेश किए जाने वाले अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों में शामिल हैं- एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग आदि।

फैकल्टी ऑफ कॉमर्स: आज की तेज़ी से विकसित होते कमर्शियल परिवेश में पारूल युनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ कॉमर्स को अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, जो प्रमुख बिज़नेस क्षेत्रों में विशिष्ट अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम पेश करते हैं। अकाउन्टिंग से लेकर फाइनैंस और मार्केटिंग मैनेजमेन्ट एवं ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट तक फैकल्टी छात्रों को विभिन्न सेक्टरों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार करती है।

ROHL ने सूरत में गुजरात के सबसे बड़े ऑल-सूट 5-स्टार होटल 'ध वर्ल्ड' के लॉन्च की घोषणा की

सुरत भुमि, सूरत।

आरओएचएल द्वारा मार्च 2024 में सूरत में हिंदवा हॉस्पिटैलिटी के साथ एक मैनेजमेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने के बाद, अग्रणी हॉस्पिटैलिटी श्रृंखला रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड ने आज अपने और गुजरात के सबसे बड़े ऑल-सूट 5-सितारा होटल 'ध वर्ल्ड' के लॉन्च की घोषणा की है। सूरत डायमंड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र, नए टेक्सटाइल हब और आगामी बुलेट ट्रेन स्टेशन के करीब स्थित, यह होटल व्यवसायियों और पर्यटकों के लिए समान रूप से उपयोगी होगा। ध वर्ल्ड नवीन सेवाओं और सुविधाओं का एक वास्तविक मिश्रण है जिसमें विशाल बैंक्वेट, इवेंट स्पेस, अलग-अलग ओपन लॉन (गार्डन), मीटिंग रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध है और साथ ही जिम-योगा, स्पा, गेमिंग ज़ोन और को-वर्क स्पेस जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी।

रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड के चेरमेन और मैनेजिंग डिरेक्टर, चंदर के बालजी ने कहा, "हम हिंदवा के साथ साझेदारी में सूरत में अपने पहले होटल की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। 'ध वर्ल्ड' सूरत को बदलने और इसे दुनिया के हीरा कारोबार में सबसे आगे लाने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण में हमारा योगदान है। यह होटल शहर के क्षितिज को बदल देगा और शहर में आतिथ्य के लिए एक नया मानक स्थापित करेगा।

उद्घाटन के भागरूप, होटल ने 'FAM' एक मॉडर्न मल्टी क्यूसिन रेस्तरां का अनावरण किया, जिसमें पूरे दिन भोजन परोसा जायेगा। यहाँ सर्वश्रेष्ठ शेफ के द्वारा विभिन्न प्रकार के भोजन तैयार किए जायेंगे। ध वर्ल्ड एक अनोखा 'सुरती' कॉन्सेप्ट रेस्तरां भी लॉन्च करेगा, जो मेहमानों को गुजरात में सर्वोत्तम गुजराती भोजन का अनुभव करवायेगा।

हिंदवा हॉस्पिटैलिटी के मैनेजिंग पार्टनर केयूर खेनी ने कहा, "ध वर्ल्ड एक उत्कृष्ट कृति बनाने के सपने का परिणाम है जो सूरत के लिए एक अनूठा उपहार लेकर आया है। हम वैश्विक यात्रियों के लिए अद्वितीय आतिथ्य के दरवाजे खोलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे विश्वास है कि पांच दशकों की विरासत वाले ब्रांड त्रह्म।रु के साथ हमारी साझेदारी मेहमानों के आतिथ्य अनुभव को और बढ़ाएगी और शहर में 'ध वर्ल्ड' को समृद्धि और विलासिता के प्रतीक के रूप में मजबूती से स्थापित करेगी।"

ROHL की मुख्य आतिथ्य सेवाओं के अलावा, मेहमान ध वर्ल्ड से एयरपोर्ट, सूरत डायमंड बोर्स, डुमस बीच और कई अन्य प्रमुख स्थानों तक सुविधाजनक पिक-अप और ड्रॉप सेवाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।

आइकॉनिक फर्स्ट: माईट्राइडेंट ने शर्मिला टैगोर और करीना कपूर खान को साथ लाकर होम डेकोर स्पेस को किया रिडिफाइन

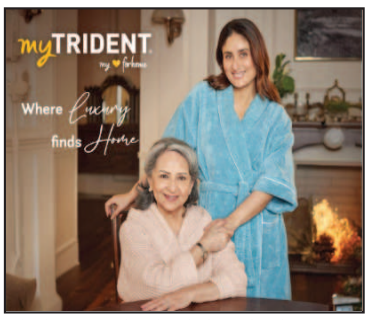

दिल्ली । माईट्राइडेंट होम डेकोर उद्योग में नए मानक स्थापित करते हुए अपने लेटेस्ट कैंपेन को पेश करने के लिए उत्साहित है, जिसमें ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर खान के साथ प्रतिष्ठित शर्मिला टैगोर भी अभिनय करती नजर आएंगी। यह असाधारण सहयोग सास और बहू के बीच सामंजस्यपूर्ण और सुरुचिपूर्ण रिश्ते को उजागर करता है, जो आमतौर पर ब्रांड कैंपेनों में सामान्यत: प्रस्तुत किए जाने वाले पारंपरिक कहानियों से अलग है। यह पहल रचनात्मक कहानी की सार्थकता में नए मानकों को स्थापित करती है, जो समकालीन पारिवारिक रिश्तों के विकास का जश्न मनाती है।

सिनेमैटिक शैली तैयार किए गए इस कैंपेन में पुनीत मल्होत्रा के नेतृत्व में धर्मा 2.0 द्वारा निर्मित एक आकर्षक टेलीविजन विज्ञापन प्रस्तुत किया गया है, जो करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर के बीच की बेहतरीन केमिस्ट्री को दर्शाता है। दोनों अनुग्रह और परिष्कार बिखेरते हुए अपने घर की शानदार सजावट में डूबते हुए, माईट्राइडेंट के प्रीमियम होम एसेंशियल्स प्रदान की जाने वाली समृद्धि और आराम के बीच विलासिता का आनंद लेती हैं। यह अद्वितीय सहयोग न केवल उनके सहज आकर्षण का जश्न मनाता है, बल्कि माईट्राइडेंट की नीति के साथ संबंधित अति डिजाइन, सौंदर्य, और कुशलता की प्रतिष्ठा का प्रमाण भी प्रस्तुत करता है।

"यह कैंपेन समकालीन भारतीय परिवार के लिए एक उल्लासपूर्ण श्रद्धांजलि का प्रतीक है, जो स्टीरियोटाइप को पार करते हुए समावेशिता की टेपेस्ट्री को अपनाता है। करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर, परिष्कार, लालित्य और कालातीत आकर्षण के सर्वोत्कृष्ट अवतार, हमारे ब्रांड के सार के साथ गहराई से मेल खाते हैं। माईट्राइडेंट में, हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर घर लालित्य और आराम के परिवर्तनकारी स्पर्श का हकदार है जो हमारी पेशकश है। हमारे लेटेस्ट कैंपेन में करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर की समरस एकता के माध्यम से, हमारा मिशन परिवारों एक ज्योति जलाना है, उन्हें अपने बंधनों की स्वाभाविक सुंदरता को ग्रहण करने और वास्तविक रूप से उन्हें मनचाहे तरीके के जीने के लिए प्रोत्साहित करना है।" नेहा गुप्ता बेक्टर, चेयरपर्सन, माईट्राइडेंट कहती हैं।

"इस कैंपेन के लिए शर्मिला टैगोर के साथ काम करना एक बेहद संतुष्टिदायक अनुभव रहा है। हम मिलकर परिवार के बंधनों की मूल अहमियत और माइट्राइडेंट के साथ घर में साझा किए गए क्षणों की सुंदरता का जश्न मनाने के लिए बहुत खुश हैं, जो हम दोनों के लिए गहरी छाप छोड़ता है। यह एक ब्रांड है जिसे हम वास्तव में प्यार करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, क्योंकि यह घरेलू वातावरण में गर्माहट और एकता को बढ़ाने के लिए समर्पित है। हम भारत भर में परिवारों को इस अभियान के माध्यम से उत्साहित करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि वे अपने जीने के स्थानों में प्यार, सम्मान, और सद्भाव को ग्रहण करें।" करीना कपूर खान ने कहा।

गुजरात टॉप मॉडल सीज़न 5 का ग्रैंड फिनाले सूरत में होगा आयोजित

सुरत भुमि, सूरत । गुजरात टॉप मॉडल शो 2018 से 9 कलर्स इवेंट द्वारा आयोजित किया जा रहा है, इस शो के चार सफल सीज़न के बाद गुजरात टॉप मॉडल सीज़न 5 का ग्रैंड फिनाले 26 मई को सूरत में होने जा रहा है जिसके लिए आज ताज प्रदर्शित किया जाएगा और जो मॉडल पिछले वर्ष जीता था द्वारा एक रैंप वॉक का भी आयोजन किया गया था इस फिनाले में पूरे गुजरात से 3 से 65 वर्ष की आयु के 100 से अधिक मॉडल भाग लेंगे। फिनाले में सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर जानी-मानी सेलिब्रिटी इशिता दत्ता मौजूद रहेंगी।

9यूनिकॉर्न्स ने 200 मिलियन डॉलर के टार्गेट के साथ लॉन्च किया फंड II, अपना नाम बदल कर 100 यूनिकॉर्न्स रखा

नई दिल्ली । भारत के अग्रणी अर्ली-स्टेज के एक्सेलेरेटर फंड 9यूनिकॉर्न्स ने रीब्रांडिंग के बाद अपने फंड II को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस रीब्रांडिंग प्रक्रिया के चलते, 9यूनिकॉर्न को अब 100यूनिकॉर्न्स के नाम से जाना जाएगा।

100यूनिकॉर्न्स, भारत की सबसे बड़ी मल्टीस्टेज निवेश फर्म वेंचर कैटालिस्ट्स ग्रुप का एक हिस्सा है। इसने 100यूनिकॉर्न्स फंड II नाम से अपना दूसरा एक्सेलेरेटर फंड लॉन्च किया है। इस फंड का टारगेट साइज 200 मिलियन डॉलर है। इसमें 100 मिलियन डॉलर का ग्रीन-शू ऑप्शन भी शामिल है। यह लॉन्च भारत में बनने वाले 200 चैंलेजर स्टार्टअप की अगली पीढ़ी के विकास को बढ़ावा देने के लिए फंडिंग की सुविधा देने के उद्देश्य से किया गया है। यह रणनीतिक कदम नई कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए 100यूनिकॉर्न्स के नजरिए का प्रमाण है। यह लॉन्च अंतरराष्ट्रीय फंडिंग पर निर्भरता को कम करके भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में एक बड़े बदलाव की शुरुआत का भी प्रतीक है। भारतीय स्टार्टअप और उद्यमी अब देश के कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपने स्वयं के इकोसिस्टम के भीतर ही आसानी और शीघ्रता से फंडिंग हासिल कर सकेंगे।

अपने पहले फंड में, 100यूनिकॉर्न्स फंड द्व (पूर्व में 9यूनिकॉर्न्स) ने कई अभिनव स्टार्टअप्स में निवेश किया था। ये स्टार्टअप्स मल्टी-बैगर सफलता की गाथा बन गए। वीडियोवर्स, ट्रूनेटिव, जप्फिलेक्ट्रिक, रेनी कॉस्मेटिक्स और आईजीपी इसके उदाहरण हैं। ये सभी अपने संबंधित डोमेन में लीडर के रूप में उभरे हैं।

फंड I से मिले इस अनुभव और सीख का फायदा उठाते हुए, 100 यूनिकॉर्न्स अपने फंड द्व के साथ सफलता की इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

वेंचर कैटालिस्ट्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक और 100 यूनिकॉर्न्स के को-फाउंडर डॉ. अपूर्व रंजन शर्मा ने कहा "100यूनिकॉर्न्स की रीब्रांडिंग हमारी विकास प्रक्रिया का अगला कदम है। हमने पिछले कुछ सालों में भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में जोरदार ग्रोथ और बड़े पैमाने पर फंड आते देखा है। भारत को 3-4 दशकों तक एक आईटी आउटसोर्सिंग देश माना जाता था, लेकिन पिछले 10 सालों में भारत बड़ी अखों डॉलर की कंपनियों के ग्रुप में ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है।

वोग आईवियर ने ब्रांड एंबेसडर तापसी पन्नू के साथ ऊर्जावान अभियान "कीप प्लेइंग" लॉन्च किया

वोग आईवियर, जो अपने बहुमुखी और फैशनेबल आईवियर के लिए जाना जाता है, प्रतिभाशाली अभिनेत्री और ब्रांड एंबेसडर तापसी पन्नू के साथ अपने नए अभियान की घोषणा करने के लिए उत्साहित है। यह अभियान हर किसी को अभूतपूर्व जुनून के साथ जीवन के हर पल का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज की गतिशील दुनिया में जो लगातार नई परिस्थितियाँ पैदा करती है, वोग आईवियर का मानना है कि जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण वास्तव में महत्वपूर्ण है, बदलाव पैदा करना। च्चखेलते रहोज्ज शीर्षक वाला यह अभियान उपभोक्ताओं को जीवन के हर रंगीन पहलू के साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है, साथ ही उनके प्रकाश, उज्ज्वल और मजेदार पक्ष को भी लक्षित करता है।

नए अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तापसी पन्नू ने कहा, "मैं एक और अभियान और वोग आईवियर के साथ अपनी साझेदारी का हिस्सा बनकर खुश हूं। "खेलते रहो" का मूल संदेश मेरे साथ मेल खाता है क्योंकि यह हर किसी को खुद को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने और हर पल आनंद और आनंद के साथ जीवन को पूरी तरह से जीने के लिए प्रोत्साहित करता है।"

"खेलने" की अवधारणा को अभियान में रोजमर्रा की स्थितियों जैसे सपने देखना, फैशन को अनुकूलित करना, अपनी धुन पर नृत्य करना या उन क्षणों का आनंद लेना शामिल है जो हमारे जीवन स्थितियों को समृद्ध करते हैं।

गुंजन सहगल, ब्रांड ग्रुप हेड - लक्ज़री, प्रीमियम और फास्ट फैशन ने कहा, वोग आईवियर ने हमेशा व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के महत्व और उत्सव पर जोर दिया है। अपने अनूठे जुनून के लिए मशहूर तापसी पन्नू के साथ हमारा अभियान पूरी तरह से आत्म-अभिव्यक्ति के सार के अनुरूप है, जो किसी को भी फैशनेबल और बिना किसी बोझ के जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

इस अभियान की रचनात्मक एजेंसी ब्रांडमूवर्स इंडिया है, जिसका निर्देशन बॉस्को भंडारकर ने किया है और फोटो अनुष्का मान ने खींची है। यह एकीकृत विपणन अभियान देश भर के उपभोक्ताओं के लिए सोशल, डिजिटल, ओओएच और प्रिंट जैसे चैनलों पर लॉन्च किया जाएगा।

अभियान पर टिप्पणी करते हुए, ब्रांडमूवर्स इंडिया के क्रिएटिव डायरेक्टर, एड्रिजा सान्याल ने कहा, "हमारा ब्रांड हमारे ग्राहकों की अभिव्यक्ति से जुड़ा है। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि उन्हें खुशी के क्षणों में, छोटी-छोटी चीजों में अपने विश्वास और व्यक्तित्व को अपनाते हुए देखकर बहुत खुशी होती है। हमारे ब्रांड एंबेसडर और प्रतिभाशाली अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ, हमें उम्मीद है कि यह अभियान जुनून और शैली को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)